सतना
14 अप्रैल 2026 मगंलवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

अशोक गिरी, बस ड्राइवर | युनूस, दूल्हे का पिता | बबलू | यूसुफ | सोनू | मुन्ना

हादसों का सोमवार

6 लोगों की मौत ने छीनी खुशियां, बेटी के निकाह से पहले उठा पिता का जनाजा

हापुड़ में बस को टक्कर मारकर उसी पर पलटा ट्रक

हापुड़, एजेंसी। यूपी के हापुड़ में रविवार देर रात 1.30 बजे बारातियों से भरी बस को ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में 5 बारातियों समेत 6 की मौके पर मौत हो गई। 7 गंभीर हैं। बारात गाजियाबाद के डासना से बुलंदशहर के गुलावठी गई थी। बस में कुल 13 बाराती थे। बाकी दूसरी कारों से पीछे आ रहे थे। शादी के बाद वापस लौटते वक्त बस रोड किनारे खड़ी थी। रास्ता काफी सकरा था। इसी दौरान सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने बस को टक्कर मार दी। टक्कर

के बाद रोड की ढलान पर पहले बस पलटी, फिर बेकाबू ट्रक भी उस पर पलट गया। भारी भरकम ट्रक के पलटने पर बस पिचक गई। बस की छत उखड़कर अलग हो गई। बाराती अंदर दब गए। चीख-पुकार मच गई। पीछे आ रहे बारातियों ने पुलिस को सूचना दी। बस के शीशे तोड़कर कुछ लोगों को बाहर निकाला गया। कुछ बाराती इस कदर फंस गए थे कि गाड़ी को गैस कटर से काटकर उनको रेस्क्यू किया गया। घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। हादसा हापुड़ जिला मुख्यालय से 22 किलोमीटर दूर धौलाना थाने में धौलाना-गुलावठी रोड पर हुआ।

महाराष्ट्र के ठाणे में सड़क हादसा

11 की मौत:मृतकों में 3 महिलाएं, 2 की हालत गंभीर; वैन से टकराया सीमेंट मिक्सर ट्रक

ठाणे, एजेंसी। मुरबाड के तहसीलदार अभिजीत देशमुख ने बताया कि वैन में सवार कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई है। वहीं अन्य दो घायलों को उल्हासनगर के सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ठाणे में भीषण सड़क हादसा, सीमेंट मिक्सर से टकरा गई वैन; 11 लोगों की दर्दनाक मौत महाराष्ट्र के ठाणे में सोमवार को बड़ा सड़क हादसा हो गया है। जानकारी के मुताबिक यहां एक पुल पर सीमेंट मिक्सर से वैन की टक्कर में 11 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल भी हो गए। पुलिस ने बताया कि कल्याण से मुरबाड जा रही वैन पुल के एक तरफ से आ रही थी, तभी उसकी टक्कर सामने से आ रहे एक सीमेंट मिक्सर से हो गई। जिला ग्रामीण पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि हादसा मुरबाड के गोविली गांव में रायता पुल पर सुबह करीब 10.45 बजे हुआ। वहीं मुरबाड के

तहसीलदार अभिजीत देशमुख ने बताया कि वैन में सवार कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई है और दो घायलों को उल्हासनगर के सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतकों में से छह लोगों की पहचान हो गई है और अन्य लोगों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने बताया कि मृतकों में आठ पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं।

गुजरात में ट्रक ने श्रद्धालुओं को कुचला, 7 की मौत

● **राजकोट से सभी लोग पैदल बहुचराजी माता मंदिर जा रहे थे, 4 घायलों की हालत भी गंभीर**

सुरेंद्रनगर,एजेंसी। गुजरात के सुरेंद्रनगर में सोमवार सुबह लखतर-विरामगाम नेशनल हाईवे पर एक ट्रक ने पैदल चल रहे श्रद्धालुओं को कुचल दिया। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि चार घायल हो गए। घायलों को सुरेंद्रनगर के अलग-अलग हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया है। घायलों की हालत भी गंभीर बनी हुई है। राजकोट से बहुचराजी

माता मंदिर जा रहे थे लखतर पुलिस इंस्पेक्टर योगेश पटेल ने बताया कि घटना लखतर-विरामगाम हाईवे पर रात करीब रात

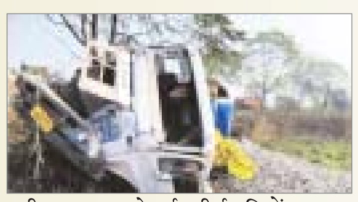

करीब 1:30 बजे हुई। तीर्थयात्रियों का एक ग्रुप पैदल राजकोट से बहुचराजी माता मंदिर जा रहा था। तभी पीछे से आ रहे एक ट्रक ने सभी को कुचल दिया। हादसे में छह तीर्थयात्रियों और सड़क किनारे खड़े एक डंपर के ड्राइवर की मौत हो गई। मृतकों में 5 पुरुष और 2 महिलाएं शामिल हैं।फरार ट्रक ड्राइवर गिरफ्तार हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया था, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है। एक श्रद्धालु ने बताया- राजकोट के दत्ता गांव से ठाकर के दर्शन करने के बाद हम लोग राजबाई मानी का झंडा फहराने के लिए विरामगाम जा रहे थे।

नोएडा- फैक्ट्री कर्मचारियों का प्रदर्शन, 10 गाड़ियों में आग-तोड़फोड़

पुलिस की गाड़ी पलटी, पथराव; कई थानों की फोर्स तैनात, आंसू गैस के गोले दागे

नोएडा, एजेंसी। नोएडा में सैलरी बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे फैक्ट्री कर्मचारियों का प्रदर्शन सोमवार सुबह हिंसक हो गया। सुनवाई न होने से कर्मचारी उग्र हो गए। सड़क पर उतर आए और पथराव किया। कई गाड़ियों और बसों को आग लगा दी। पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो उनकी गाड़ी पलट दी। हालात बिगड़े तो जिले के कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। पुलिस ने कर्मचारियों को रोकने की कोशिश की तो उन पर पथराव कर दिया। पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। घटना नोएडा फेज-2 की है।

पुलिस के मुताबिक नोएडा का फेज-2 इलाका इंडस्ट्रियल एरिया है। यहां मदरसन, ऋचा ग्लोबल, रेनबो, पैरामाउंट, एसएनडी और अनुभव कंपनियों के कर्मचारी सैलरी बढ़ाने को लेकर पिछले 3 दिन से प्रदर्शन कर रहे थे। करीब 500 से ज्यादा कर्मचारी मदरसन कंपनी के बाहर जुटे थे।

छत्तीसगढ़ में पांच लाख की इनामी नक्सली 'रूपी' मुठभेड़ में ढेर

कांकेर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में सोमवार सुबह नक्सल प्रभावित छोटेबेठिया क्षेत्र के जंगल में पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में पांच लाख रुपये की इनामी प्रतापपुर एरिया कमेटी मेंबर कैडर की सक्रिय महिला नक्सली 'रूपी' मारी गई। पुलिस ने घटनास्थल से उसका शव बरामद कर लिया है। मौके से एक रिवाल्वर भी बरामद किया गया है। सुरक्षाबलों को छोटेबेठिया इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इसके बाद विशेष टीम द्वारा सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। जंगल में घेराबंदी के दौरान नक्सलियों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में सुरक्षाबलों ने भी कार्रवाई की। इस मुठभेड़ में महिला नक्सली रूपी मारी गई। यह घटना सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ को सशस्त्र माओवादियों से मुक्त घोषित किए जाने के ठीक 12 दिन बाद सामने आई है।कांकेर पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए कहा कि नक्सलियों को बार-बार आत्मसमर्पण का अवसर दिया गया । मुठभेड़ के बाद इलाके में सर्च ऑपरेशन और तेज कर दिया गया है। उन्होने कहा कि क्षेत्र में अन्य नक्सलियों की मौजूदगी हो सकती है, जिन्हें पकड़ने या निष्क्रिय करने के लिए अभियान लगातार चलाया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जो लोग हिंसा का रास्ता नहीं छोड़ेंगे, उनके खिलाफ इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

नारी शक्ति वंदन सम्मेलन

नया इतिहास रचने वाली है भारतीय संसद, पीएम मोदी

मोदी महिलाओं से बोले- गृहस्थ नहीं, लेकिन जानता सब हूं: हमारी योजनाओं से औरतें आर्थिक रूप से ताकतवर बनीं

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को लेकर संसद का विशेष सत्र बुलाया है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली के विज्ञान भवन में 'नारी शक्ति वंदन सम्मेलन' का आयोजन किया जा रहा है। इस सम्मेलन में पहुंचे पीएम मोदी ने नारी शक्ति की सराहना की।

पीएम मोदी ने 'नारी शक्ति वंदन सम्मेलन' को संबोधित करते हुए कहा, 'देश की विकास यात्रा के इन अहम पड़ावों के बीच भारत 21वीं सदी के सबसे बड़े निर्णयों में से एक निर्णय लेने जा रहा है। मैं बहुत जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूं कि 21वीं सदी के महत्वपूर्ण निर्णयों में से एक महत्वपूर्ण निर्णय ये है। ये निर्णय नारी शक्ति को समर्पित है। नारी शक्ति वंदन को समर्पित है।

देश की संसद इतिहास रचने के करीब: हमारे देश की संसद एक नया इतिहास रचने के करीब है। एक ऐसा नया इतिहास, जो अतीत की संकल्पनाओं को साकार करेगा, जो भविष्य के संकल्पों को पूरा करेगा। एक ऐसे भारत का संकल्प जो समतामूलक हो, जहां सामाजिक न्याय केवल एक नारा न हो, बल्कि हमारी कार्य संस्कृति का, हमारी निर्णय प्रक्रिया का स्वाभाविक हिस्सा हो। '

पीएम मोदी ने आगे कहा, 'राज्यों की विधानसभाओं से लेकर देश की संसद

तक दशकों की प्रतीक्षा के अंत का समय 16, 17 और 18 अप्रैल है। 2023 में नई संसद में हमने नारीशक्ति वंदन अधिनियम के रूप प्रथम कदम उठाया था। वह समय से लागू हो सके, महिलाओं की भागीदारी हमारे लोकतंत्र को मजबूती दे, इसके लिए 16 अप्रैल से संसद के बजट सत्र की विशेष बैठक का आयोजन होने जा रहा है और उससे पहले आज नारीशक्ति वंदन का ये कार्यक्रम, इसके जरिए हमें देश की कोटि-कोटि माताओं बहनों का आशीर्वाद मिल रहा है। '

मैं यहां किसी को उपदेश देने नहीं आया हूं: अपने संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि मैं यहां किसी को उपदेश देने या जगाने नहीं आया हूं। मैं तो बस इस देश की महिलाओं का आशीर्वाद लेने आया हूं। आप सभी देश के कोने-कोने से आई हैं।

सोनिया गांधी का दावा- महिला आरक्षण नहीं, परिसीमन असली मुद्दा

पूछा- चुनाव प्रचार के बीच विशेष सत्र की क्या जरूरत; 16 अप्रैल से बहस

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने सोमवार को महिला आरक्षण को लेकर सरकार की मंशा पर सवाल उठाए। उन्होंने द हिन्दू (अखबार) में लिखा कि पीएम विपक्षी दलों से उन बिलों का समर्थन करने की अपील कर रहे हैं, जिन्हें सरकार संसद के विशेष सत्र में जबरदस्ती पास कराना चाहती है।

उन्होंने लिखा कि यह सब तब हो रहा है जब तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार अपने चरम पर है। इस जल्दबाजी का सिर्फ एक ही मकसद राजनीतिक फायदा उठाना है।

'बंगाल में भय का हिसाब भरोसे से चुकता करेगी जनता', बीरभूम की रैली में बोले अमित शाह

कोलकाता, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को ममता बनर्जी सरकार पर हमले तेज करते हुए कहा कि बंगाल की जनता चुनाव में बम का जवाब बैलेट और भय का जवाब भरोसे से देने वाली है। बीरभूम जिले के मयूरेश्वर में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने दावा किया कि पांच मई को बंगाल में भाजपा की सरकार बनने जा रही है।

ममता बनर्जी पर सिंडिकेट व माफिया राज स्थापित करने का आरोप लगाते हुए गृह मंत्री ने कहा कि भाजपा इसको समाप्त करेगी। भाजपा की डबल इंजन वाली सरकार बंगाल में सिंडिकेट व माफिया राज का अंत करेगी। शाह ने लोगों से आह्वान किया कि ममता को टाटा बाय-बाय कह दो, सिंडिकेट सरगना व कटमनी वालों को उल्टा लटकाकर सीधा करेंगे।

चार मई के बाद विकास का नया दौर शुरू होगा

गृह मंत्री ने कहा कि चार मई के बाद बंगाल में भय की जगह विकास का नया दौर शुरू होगा।

गुंडों व माफिया को चुन- चुन कर जेल में डालेंगे

लोगों से बेखौफ मतदान करने की अपील करते हुए शाह ने कहा कि 23 मई को ममता का कोई भी गुंडा आपका बाल बांका नहीं कर पाएगा। टीएमसी के किसी भी गुंडे से किसी को डरने की जरूरत नहीं है। भाजपा सरकार बनते ही टीएमसी के गुंडों व माफिया को चुन- चुन कर जेल में डालेंगे। शाह ने कहा कि यह चुनाव घुसपैठियों को निकालने का चुनाव है। उन्होंने पूछा कि क्या ममता बनर्जी और उनका भतीजा ऐसा कर सकती है।

घुसपैठियों को चुन-चुन कर बाहर निकलेंगे

उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी सरकार ने बीएसएफ को भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन तक नहीं दी। शाह ने पार्टी के संकल्प पत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि हमने तय किया है कि भाजपा सरकार बनने के 45 दिनों के अंदर अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बिना तारबंदी वाले हिस्सों में बाड़ लगाने के लिए जरूरी भूमि बीएसएफ को सौंप दी जाएगी। उन्होंने फिर दोहराया कि भाजपा का वादा है कि न सिर्फ बंगाल से बल्कि पूरे देश से हम घुसपैठियों को चुन- चुन कर बाहर निकलेंगे।

बंगाल की अस्मिता की रक्षा टीएमसी नहीं कर सकती

उन्होंने आगे कहा कि बंगाल की अस्मिता की रक्षा टीएमसी नहीं कर सकती। कविगुरु रवींद्र नाथ टैगोर की विरासत को यूनेस्को के धरोहर में शामिल करने का काम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया। बांग्ला को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने का काम मोदी सरकार ने किया।शाह ने आरोप लगाया कि ममता दीदी बहुसंख्यक समाज को डरा रही है। दीदी कह रही हैं कि टीएमसी नहीं रहेगी तो बहुसंख्यक समाज का अस्तित्व नहीं रहेगा। यह कहने वाली आप कौन होती है।

बहुसंख्यक समाज का अस्तित्व आपकी वजह से नहीं है। शाह ने सवाल किया कि आपके शासनकाल में मुर्शिदाबाद में हिंसा हुई, हिंदुओं को निशाना बनाया गया। रामनवमी त्योहार के दौरान शोभायात्राओं पर हमले हुए, सरस्वती पूजा करने की अनुमति नहीं दी गई, तब आप कहां थी।

भ्रष्टाचारियों से घोटाले का पाई-पाई का हिसाब लेंगे

शाह ने बंगाल में शिक्षक भर्ती से लेकर नगर निगम में हुए नियुक्तियों में हुए घोटाले, गाय तस्करी, राशन, मनरेगा, पीएम आवास घोटालों आदि का जिक्र करते हुए कड़ी चेतावनी दी। शाह ने कहा कि सारे भ्रष्टाचारियों को कह कर जाता हूं कि भाजपा की सरकार बनने पर घोटाले का पाई-पाई का हिसाब जनता को देना पड़ेगा। जिन्होंने गरीब जनता का हक लूटा है उनसे वापस वसूला जाएगा।

बंगाल चुनाव से पहले नेताजी के पोते टीएमसी में शामिल

चंद्र कुमार बोले- भाजपा बांटने वाली राजनीति करती है;

कोलकाता,एजेंसी। सुभाष चंद्र बोस के पोते और पूर्व बीजेपी नेता चंद्र कुमार बोस टीएमसी में शामिल हो गए। बोस ने राज्य मंत्री ब्रात्य बसु और ञस्ष्ट सांसद कीर्ति आजाद की मौजूदगी में सत्ताधारी पार्टी जॉइन की। टीएमसी में शामिल होने के बाद चंद्र कुमार ने कहा- आज हम देख रहे हैं कि भाजपा बांटने वाली राजनीति करती है और सांप्रदायिक नफरत फैलाती है। अब हमें भारत को बचाने और बांटने

वाली राजनीति का विरोध करने के लिए लड़ना होगा।चंद्र बोस 2016 में भाजपा में शामिल हुए थे और उसी साल भवानीपुर से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ विधानसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन वे हार गए।

भारत बोला-चीन के दिए नाम मनगढ़ंत, अरुणाचल भारत का हिस्सा

झूठे दावे हकीकत नहीं बदलते; चीन ने 9 साल में 89 जगहों के नाम बदले

नई दिल्ली,एजेंसी। चीन की ओर से अरुणाचल प्रदेश के स्थानों को फर्जी नाम देने पर भारत ने विरोध जताया है। विदेश मंत्रालय ने रविवार को कहा कि ऐसे झूठे दावे जमीन की हकीकत नहीं बदल सकते। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था, है और रहेगा। चीन अरुणाचल प्रदेश के कुछ स्थानों के लिए अपने हिसाब से नाम तय करता रहा है और उस पर दावा करता है। भारत ने इस तरह के कदम को खारिज करते हुए कहा कि यह भारत का हिस्सा है। इसमें कोई बदलाव नहीं हो सकता। चीन ने पिछले 9 साल में 89 भारतीय जगहों के नाम बदले हैं।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने यह बयान एक मीडिया सवाल के जवाब में दिया। उन्होंने एक प्रेस नोट जारी करते हुए लिखा कि भारत अपने क्षेत्र के हिस्सों को दिए गए फर्जी नामों को पूरी तरह खारिज करता है। चीन की ओर से ऐसे नाम तय करना शरारती कोशिश है।इधर, चीन ने शिनजियांग क्षेत्र में 'सेनलिंग' नाम से

नया काउंटी बनाया है। इसे 26 मार्च को मंजूरी दी गई। यह इलाका काराकोरम क्षेत्र के पास है। जो अफगानिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) की सीमा के करीब स्थित है। काउंटी चीन की प्रशासनिक इकाई होती है, जो जिले जैसी होती है।

अब देश के आखिरी गांव तक पहुंचेगी रेल, भारतीय रेलवे ने 6000 किमी नई लाइन विस्तार को दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के आखिरी गांव तक रेल पहुंचाने की दिशा में रेलवे ने एक बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत भारतीय रेलवे ने 2025-26 में 6000 किमी नई लाइन विस्तार को मंजूरी दी है, जो पिछले साल से 114% ज्यादा है।

भूमि विवाद के बावजूद हरेरा ने एआईपीएल प्रोजेक्ट को दी हरी झंडी, खरीदारों को सतर्क रहने की सलाह

नया गुरुग्राम, एजेंसी। हरियाणा रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (हरेरा) गुरुग्राम ने सेक्टर-103 स्थित एआइपीएल के ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट द रिवेरा एट एआइपीएल लेक सिटी को जमीन विवाद के बावजूद जारी रखने की अनुमति दे दी है।

हालांकि प्राधिकरण ने प्रोजेक्ट से जानकारी में कमी पर आपत्ति जताते हुए कुछ शर्तें भी लगाई हैं। क्या है पूरा मामला? यह आदेश 30 मार्च 2026 को ग्लोरी एजुकेशन टेक्नोलाजी प्राइवेट लिमिटेड की शिकायत पर दिया गया। शिकायत में एआइपीएल भारत इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के प्रोजेक्ट का पंजीकरण रद करने की मांग की गई थी। शिकायतकर्ता का कहना था कि जमीन के स्वामित्व को लेकर मामला अदालत में लंबित है और विभाजन संबंधी कार्यवाही भी चल रही है।

मामले की सुनवाई के दौरान हरेरा ने माना कि करीब 0.98 एकड़ जमीन अभी विवादित है।

इसके बावजूद प्राधिकरण ने प्रोजेक्ट को पूरी तरह रोकने के बजाय कुछ शर्तों के साथ आगे बढ़ने की अनुमति दी। इसमें विवादित हिस्से से जुड़े फ्लैट्स की बिक्री पर रोक और प्रोजेक्ट से संबंधित सभी लंबित मामलों की जानकारी सार्वजनिक करने के निर्देश शामिल हैं।

खरीदारों को हो सकता है जोखिम : इस फैसले के बाद यह सवाल उठने लगे हैं कि जब जमीन को लेकर विवाद पहले से चल रहा था, तो दिसंबर 2025 में प्रोजेक्ट को पंजीकरण कैसे दिया गया। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि डेवलपर ने आवेदन के समय पूरी जानकारी नहीं दी, जिससे खरीदारों को जोखिम हो सकता है। वहीं हरेरा की माने तो कि रियल एस्टेट (रेगुलेशन एंड डेवलपमेंट) एक्ट, 2016 में ऐसे प्रोजेक्ट्स के पंजीकरण पर स्पष्ट रोक नहीं है जिनकी जमीन विवादित हो। ऐसे में खरीदारों को खुद भी सावधानी बरतनी होगी। डेवलपर की ओर से कहा गया है कि विवादित जमीन का हिस्सा बेचा नहीं जाएगा और टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग (डीटीसीपी) से सभी जरूरी मंजूरियां ली जा चुकी हैं।

इसके बावजूद विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के फैसले से बाजार में गलत संदेश जाता है और खरीदारों का भरोसा कमजोर होता है। हरेरा ने अब डेवलपर को निर्देश दिया है कि वह पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट सहित सभी लंबित मामलों की जानकारी अपने प्रचार सामग्री में स्पष्ट रूप से दे।

मां की साड़ी का झूला बनाकर झूल रही बेटी की गर्दन फंसने से मौत, गुरुग्राम में खेल-खेल में चली गई जान

गुरुग्राम, एजेंसी। घर की दीवार की ग्रिल से साड़ी का झूला बनाकर गोल-गोल घूम रही 13 वर्षीय किशोरी का गला अचानक साड़ी में फंस गया। साड़ी से गला दबने से किशोरी की मौत हो गई। घटना सेक्टर-9 थाना क्षेत्र के देवीलाल कॉलोनी में रविवार शाम की है। किशोरी अपनी दो छोटी बहनों के साथ घर में खेल रही थी। इसी दौरान यह हादसा हुआ। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज कर जांच शुरू कर दी है। कई बार बच्चे घरों के पर्दे में लटक कर झूला झूलते हैं। इस तरह देवीलाल कॉलोनी में रहने वाली 13 साल की रानी कुमारी अपनी दो छोटी बहनों के साथ दीवार की ग्रिल में मां की साड़ी डालकर उससे लटककर गोल-गोल झूल रही थी। झूलते समय कब साड़ी उसकी गर्दन में लिपट गई, उसे पता नहीं चला। वहीं, हालत बिगड़ने पर परिवार के लोग उसे सरकारी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। किशोरी के पिता सुरेश सिंह ने बताया कि वह मूल रूप से सीतामढ़ी जिले के रहने वाले हैं और कई सालों से देवीलाल कॉलोनी में किराए पर रहकर सिलाई का काम करते हैं। उनकी तीन बेटियां हैं। रविवार शाम तीनों घर में खेल रही थीं। वह और उनकी पत्नी भी घर में ही मौजूद थे, लेकिन यह सब कैसे हुआ उन्हें कुछ भी पता नहीं चला।

दूसरी ग्राम पंचायत के नाम गोपालपुर मतदाता सूची में दर्ज

पुखरायां, एजेंसी। विकास खंड मलासा की गोपालपुर ग्रामपंचायत में बूथ संख्या 271 में एसआईआर के बाद भी मतदाता सूची में दूसरे गांव के मुस्लिम परिवार के चार लोगों के नाम आ रहे हैं। वहींस गांव में आज भी मुस्लिम समाज का कोई परिवार नहीं रहता है। प्रधान दीपेंद्र यादव ने बताया कि मतदाता सूची में दिलशाद अहमद, मैविश, रिमशा, जीनत के नाम दर्ज हैं। जिनको मतदाता सूची से हटाए जाने के लिए कई बार बीएलओ से कहा लेकिन नाम नहीं हटे। गांव के मनमोहन सिंह, जिलेदार सिंह ने बताया कि एसआईआर का कोई मतलब ही नहीं रहा। पता नहीं कहा किस-किस का नाम दर्ज है। बीएलओ रमा देवी ने बताया कि यह नाम कैसे दर्ज हो गए उनको जानकारी नहीं है। एसडीएम देवेंद्र सिंह ने बताया कि जब फार्म भरा गया होगा तभी नाम जोड़े गए होंगे। बिना फोटो, आईडी के साथ आवेदन के नाम जुड़ नहीं सकते हैं। शिकायत दिए जाने पर फार्म 7 भरकर मतदाता सूची से नाम हटा दिए जाएंगे।

कर्मचारियों के हितों की रक्षा का संकल्प दिलाया

मेरठ, एजेंसी। राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय कर्मचारी महासंघ का वार्षिक अधिवेशन हुआ। प्रदेश अध्यक्ष सतीश चंद्र त्यागी ने संगठन की एकता, कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष करने का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर अतिथियों के रूप में राज्य सूचना आयुक्त पीएन द्विवेदी और राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश के प्रदेश महामंत्री शिवबरन यादव ने भी संबोधित किया। उन्होंने कर्मचारियों से संगठनात्मक मजबूती बनाए रखने की अपील की। अध्यक्षता सतीश चंद्र त्यागी ने की। अधिवेशन में इलाहाबाद से आए गौतम त्रिपाठी एवं कार्यकारी अध्यक्ष डीपी सिंह गौर ने भी विचार व्यक्त किए। संचालन प्रदीप कमलेश त्रिपाठी ने किया। अधिवेशन में मेरठ से मनोज प्रजापति, नन्नू राम, सुनील शर्मा सहित अन्य मौजूद रहे।

एसआईआर में इस तरह कटे व बढ़े वोट पर एक नजर : जिले की चार विधानसभाओं में एसआईआर से पहले कुल 1336177 वोटर थे। एसआईआर में इन सब को गणना प्रपत्र उपलब्ध कराए गए। इसमें 203957 वोटरों ने गणना प्रपत्र भरकर नहीं लौटाए। इस पर इनके नाम मतदाता सूची से काट दिए गए और 6 जनवरी 2026 को कच्ची सूची जारी की गई। इसमें 1132220 वोटर थे। इसके बाद दावे-आपत्तियों ली गईं। इस अवधि में आई आपत्तियों पर सूची से 3952 नाम हटाए गए। जबकि आए दावों पर 51384 वोटर बढ़ाए गए। इस प्रकार अब कुल 1183604 वोटर हैं।

रिश्ता बदल, पति को दर्शाया पिता : अकबरपुर-रनियां से जुड़े भटौली गांव की मतदाता सूची में खामियां भरी पड़ी है। अमित कुमार पांडेय की पत्नी अपूर्वा अवस्थी हैं मगर मतदाता सूची में रिश्ता बदल दिया गया। सूची में पति अमित कुमार पांडेय को अपूर्वा अवस्थी के पिता के तौर पर दर्शाया गया है। यह स्थित उनके लिए असहज बनी है।

गवताचार्य के घर में रहीस का नाम : भटौली में बूथ संख्या 54 की मतदाता सूची में मकान नंबर 176 की खूब चर्चा है। दरअसल यह मकान भागवताचार्य महेंद्र प्रसाद मिश्र उर्फ पियूष मिश्र का है। अकबरपुर इंटर कॉलेज में हिंदी के प्रवक्ता पद से सेवानिवृत्त भागवतकथा आचार्य महेंद्र प्रसाद कहते हैं कि मतदाता सूची देखकर वह आश्चर्यचकित हैं। उनके घर के आसपास कोई मुस्लिम परिवार नहीं रहता है। जबकि उनके घर में तीन पुत्र सोमकांत, प्रशांत व निशांत के अलावा रहीस अली का नाम जुड़ा है। पत्नी शर्मिला का नाम किसी दूसरे घर में जोड़ दिया गया है। जिम्मेदारों ने ध्यान दिया होता तो यह खामी नहीं होती।

नोएडा सेक्टर-16 में हर दिन जाम से जंग, मेट्रो स्टेशन के बाहर अव्यवस्था से परेशान हो रहे लोग

नोएडा, एजेंसी। मेट्रो शहर की रफ्तार को आसान बनाने का दावा करती है, लेकिन सेक्टर-16 मेट्रो स्टेशन के बाहर हालात इसके उलट नजर आते हैं। जैसे ही यात्री स्टेशन से बाहर निकलते हैं, उनका सामना अव्यवस्थित ट्रैफिक, अतिक्रमण और जाम से होता है। सुबह-शाम होते ही यह इलाका जाम के दबाव में जकड़ जाता है और व्यवस्था पूरी तरह चरमराती दिखती है। मेट्रो गेट के बाहर ऑटो और ई-रिक्शा चालक सवारी के इंतजार में सड़क पर आड़े-तिरछे खड़े रहते हैं। कई बार आधी सड़क तक घेर ली जाती है, जिससे अन्य वाहनों की आवाजाही प्रभावित होती है। इसके साथ ही, लोगों को रिसीव करने आए दोपहिया और चारपहिया वाहन बीच सड़क में ही खड़े कर दिए जाते हैं, जो जाम को और बढ़ा देते हैं। स्थिति को और बिगाड़ने में ऐप बेस्ड टैक्सी चालकों की भूमिका भी कम नहीं है। ये चालक लंबे समय तक सड़क किनारे कब्जा जमाए रहते हैं। वहीं, शाम के समय रेहड़ी-पटरी वालों के लगने से फुटपाथ पूरी तरह घिर जाते हैं, जिससे पैदल यात्रियों को सड़क पर चलना पड़ता है और ट्रैफिक पर अतिरिक्त दबाव बनता है। इस समस्या को देखते हुए अक्टूबर 2024 में नोएडा प्राधिकरण और ट्रैफिक पुलिस ने एक योजना तैयार की थी। योजना के तहत मुख्य सड़क पर ऑटो खड़े होने पर प्रतिबंध लगाने और सर्विस रोड पर उन्हें लाइन में व्यवस्थित करने का प्रावधान किया गया था।

गाजियाबाद में हाउस टैक्स की नई दरें लागू होने से व्यापारियों में आक्रोश, निगम पर लगाया धोखा देने का आरोप

गाजियाबाद, एजेंसी। हाउस टैक्स पर नई दरें लागू होने पर व्यापारियों से लेकर आम लोगों तक में मायूसी है। व्यापारी संगठन ने नगर निगम के खिलाफ आंदोलन करने का निर्णय लिया है। लोगों को महापौर द्वारा बढ़े हुए टैक्स को खत्म करने की घोषणा के बाद राहत मिलने की उम्मीद थी। लेकिन टैक्स को खत्म करने की बजाय बढ़े हुए टैक्स को मामूली रूप से कम कर दिया गया है। आरोप है कि नगर निगम ने वर्ष 2024-25 में ए श्रेणी के मकान पर 1.45 रुपये प्रति वर्ग फीट टैक्स को बढ़ाकर 4.00 रुपये प्रति वर्ग फीट कर दिया था। अब इसे घटाकर 3.40 रुपये वर्ग फीट कर दिया है। अभी भी लगभग ढाई गुना टैक्स बढ़ा हुआ है। हाउस टैक्स कम करने के लिए लंबे से शहर के लोग लड़ाई लड़ रहे थे।

आरडब्ल्यूए, व्यापारी संगठन, सामाजिक संगठन लगातार विरोध दर्ज करा रहे थे। विरोध में धरना प्रदर्शन भी कर रहे थे। हाउस टैक्स कम करने के लिए महापौर, विधायक और सांसद ने नगर आयुक्त के साथ बैठक भी की।

इसके बाद भी कुछ हल नहीं निकला। इसके बाद महापौर टैक्स कम कराने के लिए लखनऊ भी पहुंची थी। महापौर ने पुराने टैक्स को खत्म करने की घोषणा कर दी थी। महापौर की घोषणा के बाद लोगों को उम्मीद थी कि टैक्स दर कम हो जाएगी। जिसके बाद लोगों ने अपना आंदोलन वापस ले लिया था। शनिवार को नगर निगम ने हाउस टैक्स की नई दरें लागू कर दीं। नई दरें लागू होने पर लोगों में मायूसी है। व्यापारी संगठन का कहना है कि उन्हें गुमराह किया गया है। वह फिर से अपना आंदोलन शुरू करेंगे। पहले हर दो वर्ष में 10 प्रतिशत बढ़ाया जाता था। पहली बार एक साथ 2024-25 में टैक्स 300 से 400 प्रतिशत बढ़ा दिया था। हाल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नगर निकायों को गोरखपुर में बढ़े हुए टैक्स का लोगों पर बोझ नहीं डालने की बात कही थी। तीन दिन में प्रमुख सचिव और मुख्यमंत्री को मैं इस संबंध में पत्र लिखूंगा। टैक्स का यह नया रेट भी मान्य नहीं है। अभी ढाई गुना अधिक हैं। अधिकारियों ने शासन में गलत रिपोर्ट पेश कर भ्रमित किया गया है। हम डीएम सर्किल रेट के आधार पर बढ़े टैक्स के खिलाफ हैं।

नगर निगम ने वर्ष 2024-25 में ए श्रेणी के मकान पर 1.45 रुपये प्रति वर्ग फीट टैक्स को बढ़ाकर 4.00 रुपये प्रति वर्ग फीट कर दिया था। अब इसे घटाकर 3.40 रुपये वर्ग फीट कर दिया है। लगभग ढाई गुना टैक्स बढ़ा हुआ है। व्यापारी अब बड़े स्तर पर आंदोलन करेंगे।

बूथों पर मतदाता सूची देखने पहुंचे कम लोग

राजपुर, एजेंसी। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होने के बाद अब लोग खुद का और परिजन का नाम देखने बूथ पर पहुंच रहे हैं। हालांकि इनकी संख्या बहुत कम है। राजपुर के जूनियर हाईस्कूल, प्राइमरी पाठशाला व भारतीय विद्यापीठ इंटर कॉलेज के बूथों पर बीएलओ पहुंचे। करीमनगर के बूथ पर बीएलओ बैठे कुछ लोग ही नाम देखने पहुंचे। बूथ संख्या 358 में अशोक, मिलानी देवी, रज्जन सिंह, शालिनी, वैभव व प्रशांत ने मतदाता सूची में नाम देखा। तहसीलदार राकेश चंद्रा ने बताया कि मतदाता सूची प्रकाशन के बाद अभी खामियों की शिकायत नहीं मिल रही है। फिर भी त्रुटियां मिलने पर फार्म-8 भरकर सुधार कराने का विकल्प है। किसी का नाम छूट गया है तो फॉर्म-6 भरकर उसके साथ घोषणा-पत्र व आवश्यक दस्तावेज समेत आवेदन किया जा सकता है।

समझौते की उम्मीद जगी: 21 घंटे की बातचीत बेनतीजा, लेकिन जेडी वेंस की पहल से अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ा भरोसा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में हुई शांति वार्ता भले ही किसी ठोस समझौते तक नहीं पहुंच पाई, लेकिन इसने दोनों देशों के बीच रिश्तों में कुछ नरमी जरूर पैदा की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, जेडी वेंस की अगुवाई में हुई करीब 21 घंटे लंबी बातचीत ने ईरान की नई नेतृत्व टीम के साथ 'गुडविल' यानी भरोसे का माहौल बनाने में मदद की। द वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि इस बातचीत से ईरान के साथ संवाद का रास्ता थोड़ा आसान हुआ है और आने वाले समय में ईरान अमेरिकी शर्तों को मानने पर विचार कर सकता है। हालांकि, अभी भी सबसे बड़ा विवाद ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर ही बना हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया कि बातचीत के दौरान शुरुआत में दोनों पक्षों के बीच अविश्वास था, लेकिन धीरे-धीरे माहौल बेहतर होता गया और दोनों पक्षों के प्रतिनिधियों के बीच तालमेल भी बढ़ा। खुद अमेरिका के राष्ट्रपति

डोनाल्ड ट्रंप ने भी कहा कि बातचीत काफी गहन रही और अंत में माहौल काफी दोस्ताना हो गया था। हालांकि, उन्होंने यह भी साफ किया कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को छोड़ने के लिए तैयार नहीं है, जो सबसे बड़ी रुकावट है। अमेरिका की मांग है कि ईरान पूरी तरह से अपनी परमाणु संवर्धन क्षमता खत्म करे, ताकि वह कभी भी परमाणु हथियार न बना सके। वहीं ईरान का कहना है कि उसका परमाणु कार्यक्रम सिर्फ शांतिपूर्ण और नागरिक उपयोग के लिए है, और वह इसे पूरी तरह बंद नहीं करेगा। रिपोर्ट के अनुसार, वार्ता के दौरान अमेरिका को यह भी समझ आया कि ईरान खुद को जितना मजबूत मान रहा है, असल स्थिति उतनी मजबूत नहीं हो सकती। यानी अमेरिका को अब ईरान की कमजोरियों का थोड़ा बेहतर अंदाजा लग गया है और आगे की रणनीति उसी आधार पर बनाई जा सकती है।

ट्रंप ने होर्मुज के नाकाबंदी की घोषणा की : इसी बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से होर्मुज जलडमरूमध्य में नाकाबंदी की घोषणा भी ईरान पर दबाव बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है। माना जा रहा है कि इससे ईरान पर समझौता करने का दबाव और बढ़ सकता है।

ड्रैगन का दोगलापन: भारत की सीमा के पास काउंटी बनाने के पीछे मंशा क्या? विदेश मंत्रालय दे चुका है दो-टूक जवाब

बीजिंग, एजेंसी। काराकोरम पर्वत श्रृंखला के पास स्थिति शिनजियांग में सेनलिंग काउंटी चीन की सीमा सुरक्षा और क्षेत्रीय विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी है। हालांकि, पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सीमाओं के साथ-साथ भारत के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के विवादित पश्चिमी क्षेत्र से इसकी निकटता ने माहौल गरमा दिया है। पूरी दुनिया की नजरें पश्चिम एशिया संघर्ष को खत्म करने के लिए अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता पर थीं। इसी बीच चीन ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और अफगानिस्तान की सीमा के पास एक नई चाल चल दी है। चीन ने इस सीमा पर अपने शिनजियांग प्रांत में एक तीसरा प्रशासनिक प्रभाग (काउंटी) स्थापित किया है। भारत ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। शिनजियांग प्रांत की यह नई काउंटी चीन को दक्षिण और मध्य एशिया से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण परिवहन मार्गों पर स्थित है। विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम बीजिंग के सुदूर

पश्चिमी सीमावर्ती इलाकों में शासन और सुरक्षा पर केंद्रित होने को दर्शाता है।

चीन के लिए क्यों खास है ये इलाका: साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, सेनलिंग नामक इस नए काउंटी को शिनजियांग उइगर स्वायत्त क्षेत्र की सरकार ने 26 मार्च को आधिकारिक तौर पर मंजूरी दे दी थी। यह काशगर प्रांत के अधिकार क्षेत्र में आएगा। प्राचीन सिल्क रोड पर स्थित एक ऐतिहासिक शहर काशगर, चीन को दक्षिण और मध्य एशिया से जोड़ने वाला एक रणनीतिक प्रवेश द्वार है। यह चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे का शुरुआती बिंदु भी है, जो बेल्ट एंड रोड पहल का एक महत्वपूर्ण घटक है।

भारत ने जताई आपत्ति : भारत ने इस मामले में अपनी प्रतिक्रिया चीन की ओर से अफगानिस्तान, अरुणाचल प्रदेश व पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की सीमाओं से सटे अपने शिनजियांग प्रांत में प्रशासनिक प्रभाग (काउंटी) स्थापित करने की खबरों के बीच दी है। काराकोरम पर्वत श्रृंखला के निकट इस इकाई का गठन अफगानिस्तान और पीओके दोनों से नजदीकी के कारण महत्वपूर्ण भूराजनीतिक महत्व रखता है। एक साल से कम में चीन ने तीसरी बार शिनजियांग में नया काउंटी बनाया है। भारत ने पहले भी चीन के समक्ष हेन और हेकांग काउंटी के गठन पर यह कहते हुए औपचारिक आपत्ति जताई थी कि इस भूमि का कुछ हिस्सा लद्दाख का अंग है।

हेन काउंटी में अक्साई चिन का बड़ा हिस्सा शामिल : हेन काउंटी में अक्साई चिन पठार का बड़ा हिस्सा शामिल है।

हालांकि, यह क्षेत्र 1962 के संघर्ष के बाद से चीनी प्रशासन के अधीन है। भारत इसे लद्दाख का अभिन्न अंग मानता है।

जिससे यह द्विपक्षीय मतभेद का प्रमुख मुद्दा बना हुआ है।

देर तक कुर्सी पर बैठना पड़ सकता है भारी...हो जाएगी दिल और शुगर की बीमारी

गोरखपुर, एजेंसी। एक जगह लगातार पांच से छह घंटे बैठकर काम करना सेहत के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। मांसपेशियां निष्क्रिय होनी शुरू हो जाती हैं और शरीर में फैट जमा होने लगता है। हृदयघात और शुगर जैसी बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ जाता है। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में पिछले दो सालों में मेडिसिन विभाग में किए गए एक अध्ययन में ये बात सामने आई हैं। मेडिसिन विभाग के डॉ. राजकिशोर सिंह ने बताया कि इतनी देर तक बैठना एक दिन में 10 से 15 सिगरेट पीने के बराबर नुकसान पहुंचाता है। ऐसे लोगों में 80 प्रतिशत तक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं विकसित होने की आशंका रहती है। मेडिकल कॉलेज की ओपीडी में अब 30 से 40 वर्ष के युवाओं की संख्या तेजी से बढ़ी है, जो फैटी लिवर और प्री-डायबिटीज जैसी समस्याओं से पिछले दो सालों में ग्रसित हुए हैं। इसका मुख्य कारण शारीरिक श्रम में कमी और लगातार बैठकर काम करने की आदत है। डॉ. राजकिशोर सिंह ने बताया कि पहले इस तरह की बीमारियां वृद्धावस्था में देखने को मिलती थीं लेकिन अब युवाओं में तेजी से बढ़ रही हैं। घंटों बैठना एक धीमी मौत की तरह है, जिसका असर धीरे-धीरे सामने आता है। हर 30 मिनट के बाद कम से कम दो मिनट टहलें ताकि शरीर सक्रिय बना रहे और गंभीर बीमारियों से बचाव हो सके।

अराघची का दावा- पाक में शांति वार्ता के बीच पीएम नेतन्याहू ने वेंस को किया फोन

तेहरान, एजेंसी। इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच चल रही अहम शांति वार्ता अचानक बिना किसी समझौते के खत्म हो गई। इस पूरे घटनाक्रम पर ईरान ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि एक फोन कॉल ने सब कुछ बदल दिया। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने आरोप लगाया कि इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बातचीत के दौरान अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को फोन किया, जिसके बाद वार्ता का रुख बदल गया। अब्बास अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि इस फोन कॉल के बाद बातचीत का फोकस अमेरिका-ईरान के मुद्दों से हटकर इस्राइल के हितों पर चला गया। उनका कहना है कि ईरान इस बातचीत में पूरी ईमानदारी के साथ

शामिल हुआ था, लेकिन अमेरिका ने ऐसे शर्तें रखीं जो स्वीकार करना संभव नहीं था।

अमेरिका ने ईरान के समक्ष क्या रखीं थी शर्तें: बताया जा रहा है कि इस्लामाबाद में करीब 21 घंटे तक चली इस बातचीत में अमेरिका ने ईरान के सामने कड़ी शर्तें रखीं। इनमें होर्मुज जलडमरूमध्य से अपने और अपने सहयोगियों के जहाजों की सुरक्षित आवाजाही, साथ ही ईरान के पूरे यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को खत्म करने और उसके मौजूदा यूरेनियम भंडार को सौंपने जैसी मांगें शामिल थीं। ईरान ने इन शर्तों को ठुकरा दिया। इस पूरी स्थिति पर अमेरिका की ओर से कोई स्पष्ट बयान नहीं आया है कि वास्तव में बातचीत में क्या पेश किया गया था। वहीं, ईरान का कहना है कि अमेरिका 'बातचीत की मेज पर वही हासिल करना चाहता था जो वह युद्ध में नहीं कर पाया।'

युद्धविराम पर मंडरा रहा खतरा : इस बीच, हालात और भी संवेदनशील हो गए हैं क्योंकि कुछ दिन पहले जो दो हफ्ते का युद्धविराम हुआ था, अब उस पर भी खतरा मंडराने लगा है। इस युद्धविराम की अवधि खत्म होने में सिर्फ नौ दिन बचे हैं। इस वार्ता के विफल होने का असर अब वैश्विक बाजार पर भी दिखने लगा है। खासकर तेल की कीमतों में फिर से उछाल आने की आशंका है। युद्धविराम के दौरान तेल की कीमतें कुछ कम हुई थीं, लेकिन अब विश्लेषकों का मानना है कि अगर समझौता नहीं हुआ तो कीमतें फिर से 100 डॉलर प्रति बैरल के पार जा सकती हैं। इसके साथ ही, होर्मुज जलडमरूमध्य से व्यापारिक जहाजों की आवाजाही लगभग बंद हो चुकी है। ईरान ने वहां बारूदी सुरंगें, ड्रोन और मिसाइल तैनात कर रखी हैं और हर जहाज से भारी शुल्क की मांग कर रहा है, जिसे अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ माना जा रहा है। इस पूरे घटनाक्रम ने अमेरिका के सहयोगी देशों के बीच भी मतभेद उजागर कर दिए हैं। स्पेन और इटली जैसे देशों ने ईरान के खिलाफ किसी सैन्य कार्रवाई में अपनी जमीन या हवाई क्षेत्र देने से मना कर दिया है। कई अन्य नाटो देश भी अमेरिका के साथ खुलकर नहीं आ रहे हैं।

पक्की सूची में खामियों की भरमार, एक घर के पते पर 28 से 56 नाम

कानपुर, एजेंसी। कानपुर देहात। एसआईआर पूरा होने पर बीते शुक्रवार को ही विधानसभा की पक्की मतदाता सूची जारी की गई है। अब सूची देखने पर खामियां सामने आ रही हैं। कच्ची सूची में मिली खामियां सुधर नहीं सकी हैं। हालात ये हैं कि अंतिम सूची में एक घर के पते पर 56 तो कहीं 28 वोटरों के नाम दर्ज हैं। इसको लेकर मतदाता चिंतित हैं। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण में मतदाता सूची की खामियों को दुरुस्त करने और सही वोटरों के नाम शामिल करने पर जोर रहा। चुनाव आयोग के निर्देश का पालन कराने का अधिकारी दावा जरूर करते रहे लेकिन धरातल पर अपेक्षित काम नहीं हुआ। गणना प्रपत्र भरने से लेकर नोटिस की सुनवाई तक वोटर परेशान रहे।

नारीशक्ति वंदन सम्मेलन में स्वावलंबन और उद्यमिता पर जोर

'लोकल टू ग्लोबल' के जरिए महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की पहल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। एनआईसी केंद्र सीधी में आयोजित नारीशक्ति वंदन सम्मेलन में महिलाओं के स्वावलंबन, उद्यमिता और सामाजिक सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि महिलाएं समाज और जिले के समग्र विकास की प्रमुख आधारशिला हैं और उनके सक्रिय योगदान के बिना प्रगति की कल्पना अधूरी है। कार्यक्रम के दौरान नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित नारीशक्ति वंदन सम्मेलन का सीधा प्रसारण भी देखा गया, जिसमें प्रधानमंत्री द्वारा महिला सशक्तिकरण और नेतृत्व विकास पर संबोधन दिया गया। इस प्रसारण को उपस्थित महिलाओं, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने गंभीरता से देखा और इससे प्रेरणा प्राप्त की। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मंजू रामजी सिंह सहित बड़ी संख्या में महिलाएं, समाजसेवी एवं उद्यमी उपस्थित रहे। प्रसारण के उपरांत आयोजित संवाद सत्र में कलेक्टर श्री मिश्रा ने महिलाओं की आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में ठोस कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को लघु विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि स्थानीय उत्पादों को बेहतर गुणवत्ता के साथ तैयार कर उन्हें व्यापक बाजार तक पहुंचाना समय की मांग है। लोकल टू ग्लोबल की अवधारणा को रेखांकित करते हुए उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रशासन उत्पादों की गुणवत्ता सुधार, ब्रांडिंग और विपणन में हर संभव सहयोग प्रदान करेगा। कार्यक्रम में महिलाओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर भी विशेष चर्चा की गई। एचपीवी टीकाकरण और चिरैया अभियान को प्राथमिकता देते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि 14 वर्ष से अधिक आयु की सभी पात्र बालिकाओं का 30 अप्रैल तक अनिवार्य रूप से टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए उन्होंने कहा कि स्वस्थ महिला ही सशक्त समाज की नींव होती है। सामाजिक सरोकारों पर विचार व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने बाल-विवाह जैसी कुप्रथाओं को समाप्त करने में महिलाओं की सक्रिय भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि वे समाज में जागरूकता फैलाकर इस दिशा में सकारात्मक परिवर्तन लाएं इसके साथ ही घरेलू सहायकों एवं वंचित वर्गों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने का भी आह्वान किया गया।कार्यक्रम में स्व-सहायता समूहों की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए जिले के विकास में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया उन्होंने अपने अनुभव साझा किए और भविष्य में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ने की प्रतिबद्धता जताई।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस सीधी में नारी शक्ति वंदन सम्मेलन का सीधा प्रसारण

छात्र-छात्राओं व स्टाफ ने देखा प्रधानमंत्री का संबोधन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी में नारी शक्ति वंदन सम्मेलन का सीधा प्रसारण किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह के निर्देशन में आयोजित किया गया जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं एवं महाविद्यालय स्टाफ ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित इस सम्मेलन में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा महिला सशक्तिकरण, नेतृत्व विकास एवं समाज में महिलाओं की बढ़ती भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर संबोधन दिया गया इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण महाविद्यालय परिसर के विभिन्न विभागों में स्क्रीन के माध्यम से दिखाया गया जिससे अधिक से अधिक विद्यार्थी इस महत्वपूर्ण आयोजन से जुड़ सकें। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा निर्देशानुसार सभी विभागों में प्रसारण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी। इसके साथ ही छात्र-छात्राओं के विभिन्न समूहों में कार्यक्रम का ऑनलाइन लिंक भी साझा किया गया, ताकि जो विद्यार्थी प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित नहीं हो सके वे भी इस कार्यक्रम का लाभ ले सकें। इस पहल के परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने सम्मेलन का अवलोकन किया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं, महिलाओं की शिक्षा, आत्मनिर्भरता तथा नेतृत्व क्षमता के विकास पर विस्तार से प्रकाश डाला गया उन्होंने समाज में महिलाओं की भूमिका को सशक्त बनाने और उन्हें हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया विद्यार्थियों ने इस संबोधन को गंभीरता एवं रुचि के साथ देखा और इससे प्रेरणा प्राप्त की। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं स्टाफ भी उपस्थित रहे और उन्होंने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को राष्ट्रीय स्तर के महत्वपूर्ण आयोजनों से जोड़ना तथा उनमें सामाजिक जागरूकता और नेतृत्व के गुणों का विकास करना था जिसमें महाविद्यालय सफल रहा।

15 अप्रैल को एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला रोजगार कार्यालय, सीधी में 15 अप्रैल 2026 को एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जाएगा इस आयोजन के माध्यम से युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। यह प्लेसमेंट ड्राइव फ्रीडम इम्प्लॉयबिलिटी एकेडमी एनजीओ के सहयोग से आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हें विभिन्न कंपनियों एवं संस्थानों से सीधे जोड़ना है। आयोजन में विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे जो योग्य अभ्यर्थियों का चयन साक्षात्कार एवं आवश्यक प्रक्रियाओं के माध्यम से करेंगे। जिला रोजगार कार्यालय द्वारा जानकारी दी गई कि इस प्लेसमेंट ड्राइव में इच्छुक आवेदक एवं आवेदिकाएं शामिल होकर अपने आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं चयन प्रक्रिया में भाग लेकर वे रोजगार प्राप्त करने का अवसर हासिल कर सकते हैं। इस अवसर पर अभ्यर्थियों को अपने शैक्षणिक प्रमाण पत्र, पहचान पत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज साथ लाने होंगे ताकि पंजीकरण एवं चयन प्रक्रिया में किसी प्रकार की असुविधा न हो।आयोजन के माध्यम से विशेष रूप से उन युवाओं को लाभ मिलेगा जो वर्तमान में रोजगार की तलाश में हैं और निजी क्षेत्र में कार्य करने के इच्छुक हैं। जिला रोजगार कार्यालय ने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों का उद्देश्य युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना तथा उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है।

सड़क दुर्घटना में मृतकों के परिजनों को 45 हजार रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय ने सड़क दुर्घटनाओं में मृत व्यक्तियों के परिजनों को कुल 45 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है यह सहायता राशि आपदा प्रबंधन अंतर्गत प्रभावित परिवारों को तात्कालिक आर्थिक संबल प्रदान करने के उद्देश्य से दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम टकटइया, तहसील चुरहट निवासी पद्माकर प्रसाद अग्निहोत्री की 01 अप्रैल 2025 को सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो जाने पर उनकी पत्नी गायत्री देवी को 15 हजार रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार ग्राम रामपुर नैकिन, तहसील रामपुर नैकिन निवासी प्रभाकर साकेत की 09 सितंबर 2025 को सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने पर उनकी माता आरती साकेत को 15 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। वहीं ग्राम तिलवारी, तहसील मझौली निवासी रामचरण सिंह की 04 नवंबर 2025 को सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने पर उनकी पत्नी सोनावती को 15 हजार रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है कुल मिलाकर तीनों मामलों में प्रत्येक परिजन को 15-15 हजार रुपये की सहायता राशि दी गई है जिससे कुल 45 हजार रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। प्रशासन ने बताया कि यह राशि शासन की निर्धारित सहायता योजना के अंतर्गत प्रदान की जा रही है जिसका उद्देश्य आकस्मिक दुर्घटनाओं में प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत उपलब्ध कराना है।

चिरैया कार्यक्रम एवं एचपीवी टीकाकरण के लिए प्रचार वाहनों को सांसद ने दिखाई हरी झंडी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। किशोर-किशोरियों के स्वास्थ्य, पोषण एवं जागरूकता को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से संचालित 'चिरैया' कार्यक्रम तथा एचपीवी टीकाकरण अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए जिला चिकित्सालय सीधी से दो सुसज्जित प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्रीय सांसद डॉ. राजेश मिश्रा द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बबीता खरे, सिविल सर्जन डॉ. एस.बी. खरे, डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी सीएमओ प्रिया पाठक, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. नागेंद्र बिहारी दुबे सहित अन्य अधिकारी, स्वास्थ्यकर्मी एवं नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। प्रचार-प्रसार के लिए रवाना किए गए ये वाहन बैनर, पोस्टर एवं ऑडियो जिंगल से सुसज्जित हैं जो जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर माइकिंग के माध्यम से लोगों को जागरूक करेंगे। इन वाहनों के जरिए 14 से 15 वर्ष 3 माह तक की बालिकाओं को निःशुल्क एचपीवी टीकाकरण तथा 14 से 19 वर्ष आयु वर्ग के किशोर-किशोरियों के स्वास्थ्य परीक्षण, एनीमिया नियंत्रण एवं पोषण संबंधी परामर्श की जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव के लिए एचपीवी टीका एक प्रभावी सुरक्षा कवच है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपनी बेटियों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए समय पर टीकाकरण अवश्य कराएं। उन्होंने यह भी कहा कि जागरूकता के अभाव में कई बार लोग टीकाकरण से हिचकिचाते हैं जबकि यह पूरी तरह सुरक्षित और लाभकारी है मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बबीता खरे ने जानकारी दी कि एचपीवी टीकाकरण पूर्णतः सुरक्षित है और स्वास्थ्य विभाग द्वारा इसे निर्धारित समयसीमा के भीतर सभी पात्र बालिकाओं तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

इन्क्यूबेशन सेंटर में नवाचारों के व्यावसायीकरण पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

छात्रों को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण व स्टार्टअप की दी गई व्यावहारिक जानकारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। उच्च शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश के निर्धारित कैलेंडर के अंतर्गत प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस सीधी के इन्क्यूबेशन सेंटर में नवाचारों को व्यावसायिक उत्पादों में परिवर्तित करने तथा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण (टेक्नोलॉजी ट्रांसफर) की प्रक्रिया पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों एवं युवा नवप्रवर्तकों को नवाचारों के व्यावसायीकरण से जुड़ी व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था ताकि वे अपने विचारों को वास्तविक उत्पादों और स्टार्टअप के रूप में विकसित कर सकें। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मऊगंज के सहायक प्राध्यापक (भूगोल) डॉ. अनवर खान उपस्थित रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में नवाचार के एक साधारण विचार से लेकर उसे बाजार में उपलब्ध व्यावसायिक उत्पाद में परिवर्तित करने की संपूर्ण प्रक्रिया को सरल और चरणबद्ध तरीके से समझाया। उन्होंने बताया कि किसी भी नवाचार को सफल बनाने के लिए उसकी उपयोगिता, व्यवहारिकता और बाजार की मांग को समझना अत्यंत आवश्यक है। डॉ. खान ने बौद्धिक संपदा अधिकार , पेटेंट प्रक्रिया, लाइसेंसिंग, स्टार्टअप स्थापना तथा उद्योग-अकादमिक सहयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि केवल शोध पत्र प्रकाशित करना पर्याप्त नहीं है बल्कि शोध को समाज और उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप ढालकर उसे उपयोगी उत्पाद के रूप में विकसित करना आज की आवश्यकता है उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपने नवाचारों को प्रयोगशाला तक सीमित न रखें, बल्कि उन्हें बाजार तक ले जाने का प्रयास करें। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने नवाचार, स्टार्टअप निर्माण, फंडिंग, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण एवं पेटेंट से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे। मुख्य वक्ता द्वारा इन सभी जिज्ञासाओं का विस्तारपूर्वक एवं संतोषजनक समाधान किया गया जिससे प्रतिभागियों को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हो सकें। स अवसर पर इन्क्यूबेशन सेंटर के नोडल अधिकारी डॉ. राकेश कुमार प्रजापति, सहायक नोडल अधिकारी डॉ. गुलाम मोइनुद्दीन, सदस्य डॉ. मुकेश यादव, डॉ. वरुण कुमार सिंह एवं डॉ. प्रमोद कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली जिससे यह आयोजन अत्यंत सफल रहा। कार्यक्रम के अंत में सहायक प्राध्यापक (अर्थशास्त्र) डॉ. मुकेश कुमार यादव द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया उन्होंने सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए भविष्य में ऐसे और उपयोगी कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही।

भुईमाड़ में सांसद व विधायक ने बांटी साइकिलें, विद्यार्थियों के चेहरों पर दिखी खुशी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भुईमाड़ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सीधी सांसद डॉ. राजेश मिश्रा एवं धौहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने कक्षा 6 एवं 9 के छात्र-छात्राओं को निःशुल्क साइकिलों का वितरण किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थी, अभिभावक एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस पहल का मुख्य उद्देश्य दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय तक आने-जाने में सुविधा उपलब्ध कराना है जिससे उनकी शिक्षा नियमित और सुगम हो सके साइकिल प्राप्त करते ही विद्यार्थियों के चेहरों पर खुशी झलक उठी और उनमें विशेष उत्साह देखने को मिला कई विद्यार्थियों ने कहा कि अब उन्हें स्कूल आने-जाने में पहले जैसी कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद डॉ. राजेश मिश्रा एवं विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति जागरूक रहने, नियमित अध्ययन करने तथा अपने उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए निरंतर प्रयासरत रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर तक पहुंचाना सरकार एवं जनप्रतिनिधियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। जनप्रतिनिधियों ने यह भी कहा कि ग्रामीण अंचलों में शिक्षा के स्तर को मजबूत करने के लिए ऐसे सहयोगात्मक प्रयास लगातार जारी रहेंगे जिससे बच्चों को पढ़ाई के प्रति प्रोत्साहन मिले और उनकी उपस्थिति भी बढ़े। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा को ही अपने जीवन का आधार बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर उपस्थित अभिभावकों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया उन्होंने कहा कि इस प्रकार की योजनाओं से ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को शिक्षा के लिए बेहतर अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

कार्यक्रम में जनपद सदस्य सावित्री देवी पनिका, सरपंच भुईमाड़ लल्ली देवी सिंह, एसडीएम कुसमी शैलेश द्विवेदी, तहसीलदार नारायण सिंह, जनपद पंचायत सीईओ ज्ञानेंद्र मिश्रा, बीआरसीसी अंगिरा प्रसाद द्विवेदी, संकुल प्राचार्य सुजीत कुमार सिंह, अखंड प्रताप सिंह, सुरेंद्र बैस, रामजियावन गुप्ता, रमाशंकर जायसवाल सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए न केवल सुविधाजनक सिद्ध हुआ बल्कि शिक्षा के प्रति उनकी रुचि और उत्साह को भी बढ़ाने वाला साबित हुआ।

अवैध मदिरा के खिलाफ अभियान तेज, 31 प्रकरण दर्ज, 108 लीटर शराब जब्त

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में अवैध मदिरा के विनिर्माण, विक्रय एवं परिवहन के विरुद्ध प्रशासन द्वारा विशेष अभियान को और अधिक तेज कर दिया गया है कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशानुसार चलाए जा रहे इस अभियान के तहत लगातार सघन कार्रवाई की जा रही है। जिला आबकारी अधिकारी संतोष सिंह कुशवाहा के नेतृत्व में आबकारी विभाग की टीम द्वारा जिलेभर में अवैध मदिरा कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण हेतु छापामार कार्रवाई की जा रही है इस दौरान 01 अप्रैल से 12 अप्रैल 2026 की अवधि में अवैध मदिरा विक्रय केंद्रों एवं ढाबों पर कार्रवाई करते हुए कुल 31 प्रकरण दर्ज किए गए तथा 108 लीटर अवैध मदिरा जब्त की गई। सभी प्रकरण मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क) एवं 34(1)(एफ) के अंतर्गत पंजीबद्ध किए गए हैं। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि जिले में अवैध शराब कारोबार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति के तहत सख्त कार्रवाई की जा रही है। अभियान के दौरान यह भी पाया गया कि कई स्थानों पर मदिरा दुकानों के आसपास नमकीन, चना एवं अंडे के ठेले लगाकर लोगों की भीड़ एकत्रित होती है जिससे असामाजिक गतिविधियों की संभावना बढ़ जाती है। इस स्थिति को देखते हुए 12 अप्रैल 2026 को शाम 7 बजे से रात्रि 10 बजे तक विशेष अभियान चलाया गया, जिसके तहत ऐसे सभी ठेलों को हटवाया गया इसके साथ ही अनुज्ञप्तिधारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि मदिरा दुकानों के आसपास स्वच्छता बनाए रखें तथा किसी भी प्रकार के ठेले या अवैध गतिविधियों की अनुमति न दी जाए। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। आबकारी विभाग ने कहा है कि यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा तथा अवैध मदिरा कारोबार पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए नियमित निरीक्षण एवं कार्रवाई की जाएगी प्रशासन ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि अवैध मदिरा से संबंधित किसी भी गतिविधि की सूचना तुरंत संबंधित विभाग को दें ताकि ऐसे मामलों पर प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा, जिला- रीवा (म.प्र.)

//निविदा सूचना //

क्रमांक 990/DAY-NULM/SUH/न.पा.नि./2026 रीवा, दिनांक 13.04.2026

निम्नलिखित कार्य हेतु अर्हताधारी इच्छुक गैर शासकीय/ धार्मिक/ स्वयंसेवी संस्था/ कल्याणकारी संस्था/ एरिया लेवल फेडरेशन/ स्वसहायता समूह/ व्यक्तियों से ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक एवं जारी दिनांक तथा NIT क्रमांक/ दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं बिड सिक्योरिटी मनी	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	2026_UAD_500006_1 13.04.2026 988/ 13.04.2026 (1st CALL)	नगर पालिक निगम रीवा क्षेत्रांतर्गत हॉस्पिटल चौक के पास स्थित अटल आश्रय स्थल के संचालन एवं प्रबंधन का कार्य।	12 माह 07.00 लाख	~~₹2000.00~~ ₹14000.00	28.04.2026 18:00 बजे तक।
2.	2026_UAD_500010_1 13.04.2026 989/ 13.04.2026 (1st CALL)	नगर पालिक निगम रीवा क्षेत्रांतर्गत इंद्रा मार्केट में स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय आश्रय स्थल के संचालन एवं प्रबंधन का कार्य।	12 माह 07.00 लाख	~~₹2000.00~~ ₹14000.00	28.04.2026 18:00 बजे तक।

नोटः - निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन **https://mptenders.gov.in** की वेबसाइट पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

उपायुक्त नगर पालिक निगम रीवा जिला रीवा (म.प्र.)

विफल वार्ता के दुष्परिणाम

संपादकीय

अमेरिका-ईरान के बीच वार्ता विफल होना पश्चिम एशिया के लिए ही नहीं, पूरी दुनिया के लिए निराशा और चिंता का कारण है।

जैसी आशंका थी वैसा ही हुआ, ईरान और अमेरिका के बीच इस्लामाबाद में 21 घंटे तक चली वार्ता विफल हो गई। इसका कारण दोनों पक्षों का अपने रवैये से टस से मस न होना रहा। जहां अमेरिका हर हाल में यह सुनिश्चित करना चाहता था कि ईरान परमाणु हथियार बनाने का इरादा छोड़े, वहीं ईरान न तो इसके लिए तैयार था और न ही अपनी इस जिद को छोड़ने के लिए कि होर्मुज समुद्री मार्ग पर उसका आधिपत्य रहना चाहिए। साफ है कि वार्ता में ईरान ने भी अड़ियल रवैये का परिचय दिया।

वह परमाणु हथियारों से लैस हो, इसे कोई भी नहीं चाहता-अमेरिका और इजरायल तो कदापि नहीं। इसकी अनदेखी न की जाए कि ईरान इजरायल को दुनिया के मानचित्र से मिटाने की बात करता रहता है और उस पर हमले करने वाले हमास, हिजबुल्ला सरीखे आतंकी संगठनों को हर तरह का सहयोग-समर्थन देता है। ईरान का यह दावा झूठा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम नाभिकीय हथियारों के निर्माण के लिए नहीं है, क्योंकि उसके पास इसका कोई जवाब नहीं कि वह तय सीमा से कहीं अधिक यूरेनियम संवर्धन क्यों कर रहा है?

यदि वह परमाणु हथियारों से लैस हुआ तो पश्चिम एशिया में दादागीरी तो दिखाएगा ही, इजरायल के अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा भी बनेगा। विश्व को यह भी स्वीकार नहीं हो सकता कि वह होर्मुज को अपनी निजी जागीर समझे। अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार इस जलमार्ग पर उसका एकाधिकार नहीं। यदि ईरान के लिए यह आवश्यक है कि वह होर्मुज और यूरेनियम संवर्धन पर अपना हठ छोड़े तो अमेरिका को भी वहां सत्ता परिवर्तन कराने के अपने अतिवादी विचार का परित्याग करना होगा। अमेरिका-ईरान के बीच वार्ता विफल होना पश्चिम एशिया के लिए ही नहीं, पूरी दुनिया के लिए निराशा और चिंता का कारण है। इस वार्ता की विफलता के बाद ट्रंप ने जिस तरह होर्मुज की नाकेबंदी करने और वहां से एक भी जहाज न निकलने देने की धमकी दी, वह तो ऊर्जा संकट को और खतरनाक स्थिति में ले जाने वाली बात है। उनकी यह धमकी भारत के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है, क्योंकि हमारे कुछ जहाज किसी तरह तेल और गैस लेकर वहां से निकल पा रहे थे। लगता है ट्रंप चाहते हैं कि होर्मुज को लेकर पूरी दुनिया ईरान पर दबाव बनाने के लिए अमेरिका के साथ खड़ी हो। जो भी हो, अमेरिका-ईरान जिस तरह अपने रवैये पर अडिग हैं, उससे चंद दिनों पहले थमा 40 दिन पुराना युद्ध नए सिरे से शुरू होने की आशंका बढ़ गई है।

डॉ. अंबेडकर: जातियों के खांचों से कहीं बड़ा है इस राष्ट्र-शिल्पी का कद

दिलीप कुमार पाठक

(डॉ. अंबेडकर जयंती विशेष)

प्रत्येक वर्ष 14 अप्रैल का सूर्य जब भारतीय क्षितिज पर उदय होता है, तो वह केवल एक महापुरुष की जन्मतिथि का संदेश नहीं लाता, बल्कि उस महान संकल्प का स्मरण कराता है जिसने आधुनिक भारत की नियति लिखी थी। डॉ. भीमराव अंबेडकर - एक ऐसा नाम, जो आज भारतीय जनमानस की चेतना में गहराई तक रचा-बसा है। देश के हर कस्बे और चौराहे पर उनकी प्रतिमाएं जीवंत हैं, नीले झंडे लहरा रहे हैं और जयकारों के स्वर आसमान छू रहे हैं। लेकिन, इस भव्य उत्सव और कोलाहल के बीच एक अत्यंत गंभीर और चुभता हुआ प्रश्न मौन खड़ा है क्या हमने वाकई उस इंसान को समझा, जिसने अपना पूरा जीवन न्याय, समता और मानवता की वेदी पर होम कर दिया? या फिर हमने अपनी सुविधा और संकुचित सोच के अनुसार उनकी विरासत के टुकड़े-टुकड़े कर दिए हैं?

डॉ. अंबेडकर की शख्सियत का असली करिश्मा उनकी अद्भुत विद्वत्ता, फौलादी इरादों और सबसे बढ़कर उनके अडिग नैतिक साहस में छिपा था। वे केवल एक संविधान निर्माता या कानूनविद नहीं थे; वे एक ऐसे युगद्रष्टा थे जिनके पास भविष्य के भारत का पूर्ण खाका तैयार था। कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से शिक्षित उस व्यक्ति के पास दुनिया के किसी भी कोने में ऐश्वर्यपूर्ण जीवन जीने के विकल्प खुले थे, लेकिन उन्होंने उस कांटों भरे मार्ग को चुना जो अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की मुक्ति की ओर जाता था। उनके व्यक्तिगत जीवन में सामाजिक अपमान के अनगिनत गहरे घाव थे, लेकिन जब उन्हें देश का भाग्य लिखने की कलम मिली, तो उन्होंने बदला नहीं, बल्कि बदलाव की इबारत लिखी। उन्होंने एक ऐसी व्यवस्था की नींव रखी जहाँ किसी के साथ भी अन्याय न हो–चाहे वह किसी भी जाति, धर्म या वर्ग का क्यों न हो। किन्तु, कड़वा सच तो यह है कि बाबा साहब की विराट विरासत के साथ सबसे बड़ा अन्याय यह हुआ कि उन्हें जातियों के खांचों में कैद करने की निरंतर कोशिश की गई। समाज का एक बड़ा हिस्सा उन्हें केवल एक विशिष्ट समुदाय का मसीहा मानकर अपनी भावनात्मक सीमाओं में सीमित कर बैठा। उन्होंने बाबा साहब को पूजा तो सही, लेकिन उनके उन तार्किक और प्रगतिशील विचारों को आचरण में नहीं उतारा जो अंधविश्वास और रूढ़ियों के कट्टर विरोधी थे। दूसरी ओर, मुख्यधारा के एक बड़े वर्ग ने दशकों तक उन्हें केवल दलितों का नेता मानकर उनसे सुरक्षित दूरी बनाए रखी। यह बौद्धिक दरिद्रता ही थी कि समाज यह नहीं समझ पाया कि डॉ. अंबेडकर द्वारा दिलाए गए अधिकार सार्वभौमिक थे। जब उन्होंने हिंदू कोड बिल के लिए अपनी कैबिनेट की कुर्सी दांव पर लगाई, तो उनका लक्ष्य समूचे भारत की नारी शक्ति को सशक्त बनाना था। अफसोस कि उन्हें एक पक्ष ने सिर्फ अपना माना और दूसरे ने पराया, जबकि वास्तविकता में वे पूरे राष्ट्र के थे।

आज की समकालीन राजनीति में डॉ. अंबेडकर एक अनिवार्य प्रतीक बन चुके हैं। सत्ता की बिसात पर हर राजनीतिक दल उन्हें अपना बताने की होड़ में है, लेकिन यह लगाव सिद्धांतों से ज्यादा वोटबैंक के गणित से प्रेरित है। उनके नाम पर भव्य रैलियां और विज्ञापन तो बहुत हैं, पर क्या हम उनके शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो के मंत्र को जी रहे हैं? यदि आज बाबा साहब जीवित होते, तो यह देखकर अत्यंत व्यथित होते कि जिस समाज को वे प्रबुद्ध बनाना चाहते थे, उसे आज केवल चुनावी आंकड़ों और ध्रुवीकरण के खेल में उलझा दिया गया है। वे व्यक्ति-पूजा के सख्त विरोधी थे, लेकिन आज उनके विचारों की आत्मा को किनारे रखकर केवल उनके नाम की ब्रांडिंग से राजनीतिक रोटियां सेंकी जा रही हैं। डॉ. अंबेडकर का मानववाद सबको साथ लेकर चलने वाला था। उन्होंने कभी भी किसी वर्ग के साथ अन्याय का समर्थन नहीं किया। रिजर्व बैंक की नींव से लेकर श्रमिक सुधारों और नदी परियोजनाओं तक, उनके समस्त कार्य एक आधुनिक राष्ट्र के निर्माण के लिए थे। उनकी महानता इस बात में है कि उन्होंने कभी प्रतिशोध की भाषा नहीं सीखी; उनका मार्ग बुद्ध की करुणा और संवैधानिक नैतिकता का था। अब समय आ गया है कि हम डॉ. अंबेडकर को पत्थर की मूर्तियों और औपचारिकताओं के घेरे से बाहर निकालें। उन्हें केवल 14 अप्रैल की छुट्टियों तक सीमित रखना उनकी मेधा का अपमान है।

भारतीय पार्श्व गायन की बेजोड़ मलिका आशा भोसले

संजय गोस्वामी

आशा भोंसले ने अपने जीवन में निजी त्रासदियों, विशेषकर अपने बच्चों के निधन (2012 में बेटी वर्षा और 2015 में बेटे आनंद) के बाद, अकेलेपन और दुख से उबरने के लिए ईश्वर और आध्यात्मिकता का सहारा लिया। उन्होंने भक्ति संगीत में शांति पाई और ध्यान व क्रिया का नियमित अभ्यास किया।आशालाता गणपत भोसले (जन्म आशालाता दीनानाथ मंगेशकर; 8 सितंबर 1933 - 12 अप्रैल 2026) एक भारतीय पार्श्व गायिका, व्यवसायी, अभिनेत्री और टेलीविज़न हस्ती थीं, जिन्होंने मुख्य रूप से भारतीय सिनेमा में काम किया। अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाने वाली, उन्हें मीडिया में हिंदी सिनेमा की सबसे महान और सबसे प्रभावशाली गायिकाओं में से एक के रूप में वर्णित किया गया था। आठ दशकों से अधिक के अपने करियर में, उन्होंने विभिन्न भारतीय भाषाओं में फिल्मों और एल्बमों के लिए गाने रिकॉर्ड किए और कई पुरस्कार जीते, जिनमें दो राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, चार क्क्नद्ध पुरस्कार, अठारह महाराष्ट्र राज्य फिल्म पुरस्कार, नौ फिल्मफेयर पुरस्कार (एक लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार सहित) और सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्व गायिका के लिए रिकॉर्ड सात फिल्मफेयर पुरस्कार शामिल हैं; इसके अलावा उन्हें दो ग्रैमी नामांकन भी मिले। वर्ष 2000 में, उन्हें दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जो सिनेमा के क्षेत्र में भारत का सर्वोच्च पुरस्कार है। वर्ष 2008 में, भारत सरकार द्वारा उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया, जो देश का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। गिनीज़ बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने वर्ष 2011 में उन्हें संगीत के इतिहास में सबसे अधिक गाने रिकॉर्ड करने वाली कलाकार के रूप में मान्यता दी। भोसले पार्श्व गायिका लता मंगेशकर की छोटी बहन थीं और प्रतिष्ठित मंगेशकर परिवार से ताल्लुक रखती थीं। अपनी सोप्रानो (ऊंची) आवाज़ की रेंज के लिए मशहूर और अक्सर अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए सराही जाने वाली, उनके काम में फिल्मी संगीत, पॉप, ग़ज़ल, भजन, पारंपरिक भारतीय शास्त्रीय संगीत, लोक गीत, कव्वाली और रवींद्र संगीत शामिल थे। हिंदी के अलावा, उन्होंने 20 से अधिक भारतीय और विदेशी भाषाओं में गाने गाए थे। वर्ष 2013 में, उन्होंने माई फिल्म में एक अभिनेत्री के रूप में अपना डेब्यू किया और अपने अभिनय के लिए आलोचकों की प्रशंसा प्राप्त की। वर्ष 2006 में, उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने करियर में 12,000 से अधिक गाने रिकॉर्ड किए हैं, एक ऐसा आंकड़ा जिसे कई अन्य स्रोतों द्वारा भी दोहराया गया है। शुरुआती जीवन में आशा लता दीनानाथ मंगेशकर का जन्म सांगली के छोटे से गाँव गोअर में हुआ था। उस समय यह सांगली रियासत (अब महाराष्ट्र में) का हिस्सा था। उनका जन्म पंडित दीनानाथ मंगेशकर के संगीत-प्रेमी परिवार में हुआ था; दीनानाथ मराठी और कोंकणी मूल के थे, और उनकी पत्नी शेवंती गुजराती थीं। दीनानाथ मराठी संगीत मंच के एक अभिनेता और शास्त्रीय गायक थे। जब भोसले नौ साल की थीं, तब उनके पिता का निधन हो गया। इसके बाद उनका परिवार पुणे से कोल्हापुर और फिर मुंबई चला गया। अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए उन्होंने और उनकी बड़ी बहन लता मंगेशकर ने फ़िल्मों में गाना और अभिनय करना शुरू कर दिया। उन्होंने अपना पहला फ़िल्मी गीत चला चला नव बाला 1943 में आई मराठी फ़िल्म माझा बाल के लिए गाया था। इस फ़िल्म का संगीत दत्ता दावजेकर ने तैयार किया था। हिंदी फ़िल्मों में उनकी शुरुआत तब हुई, जब उन्होंने हंसराज बहल की फ़िल्म चुनरिया (1948) के लिए सावन आया गीत गाया; हालाँकि, उसी साल चुनरिया से पहले एक और फ़िल्म अंधों की दुनिया रिलीज़ हुई थी; इन दोनों ही फ़िल्मों में उन्होंने तीन-तीन गीत गाए थे। उनका पहला एकल हिंदी फ़िल्मी गीत फ़िल्म रात की रानी (1949) के लिए था। असमिया फ़िल्मों में उनकी शुरुआत 1969 में हुई, जब उन्होंने किशोर कुमार और डॉ. भूपेन हज़ारिका के साथ मिलकर फ़िल्म सिकिमिकि बिजुली के लिए पोखिराज घोरा गीत गाया।भोसले खुद को एक इत्तेफ़ाकी गायिका मानती थीं, जिन्होंने अपने पिता दीनानाथ मंगेशकर, उनके शिष्यों और अपनी बड़ी बहन लता मंगेशकर को गाते हुए ध्यान से सुनकर ही गाना सीखा था। उम्र चाहे जो भी रही हो, उन्होंने रोज़ाना रियाज़ (अभ्यास) करना कभी नहीं छोड़ा; उनका कहना था कि उनके लिए संगीत साँस लेने जितना ही ज़रूरी है।उनकी बहनें, लता और उषा मंगेशकर, भी पार्श्व गायिकाएँ रही हैं। उनकी बड़ी बहन मीना मंगेशकर और छोटे भाई हृदयनाथ मंगेशकर संगीत निर्देशक हैं।1940 के दशक के आखिर से लेकर 1950 के दशक की शुरुआत तक, गीता दत्त, शमशाद बेगम और लता मंगेशकर जैसी जानी-मानी पार्श्व गायिकाओं का ही बोलबाला था; वे ही फ़िल्मों की मुख्य अभिनेत्रियों और बड़ी फ़िल्मों के लिए गाने गाती थीं। 1950 के दशक में, भोसले ने हिंदी फ़िल्मों में ज़्यादातर प्लेबैक सिंगर्स से ज़्यादा गाने गाए। इनमें से ज़्यादातर गाने कम बजट वाली फ़िल्मों में थे। उनके शुरुआती गाने ए. आर. कुरैशी, सज्जाद हुसैन, एस. मोहिंदर, सरदार मलिक, गुलाम मोहम्मद और कुछ अन्य लोगों ने कंपोज़ किए थे।[सज्जाद हुसैन द्वारा कंपोज़ की गई फ़िल्म संगदिल (1952) में गाने से उन्हें काफ़ी पहचान मिली। उसी साल, फ़िल्म छम छमा छम में ओ. पी. नैयर के निर्देशन में उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई और उस फ़िल्म के 11 में से 10 गाने गाए। इसके बाद, फ़िल्म डायरेक्टर बिमल रॉय ने उन्हें परिणीता (1953) में गाने का मौका दिया। राज कपूर ने उन्हें बूट पॉलिश (1954) के सभी गाने गाने के लिए साइन किया, जिससे उन्हें काफ़ी लोकप्रियता मिली।भोसले ने बताया कि एल्विस प्रेस्ली और बिल हेली ने उन्हें पश्चिमी संगीत शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।ओ. पी. नैयर ने 1952-1956 के दौरान भोसले को कई गाने दिए, हालाँकि उन्हें पहली बड़ी सफलता बी. आर. चोपड़ा की फ़िल्म नया दौर (1957) में मिली, जिसके गाने ओ. पी. नैयर ने ही कंपोज़ किए थे। साहिर लुधियानवी द्वारा लिखे गए रफ़ी के साथ उनके डुएट गाने, जैसे माँग के साथ तुम्हारा, साथी हाथ बढ़ाना और उड़ें जब जब ज़ुल्फ़ें तेरी, ने उन्हें काफ़ी पहचान दिलाई। यह पहली बार था जब उन्होंने किसी फ़िल्म की मुख्य अभिनेत्री के लिए सभी गाने गाए थे। इसके बाद बी. आर. चोपड़ा ने अपनी कई अगली फ़िल्मों के लिए उनसे संपर्क किया, जिनमें धूल का फूल, गुमराह (1963), वक़्त (1965), हमराज़ (1967), आदमी और इंसान (1969), धुंध (1973) और कई अन्य फ़िल्में शामिल थीं। ओ. पी. नैयर का भोसले के साथ भविष्य में सहयोग दिया। इससे भी उन्हें सफलता मिली। धीरे-धीरे, उन्होंने अपनी पहचान बनाई और सचिन देव बर्मन और रवि जैसे संगीतकारों का संरक्षण प्राप्त किया। 1970 के दशक में भोसले और ओ. पी. नैयर के बीच पेशेवर और निजी तौर पर रास्ते अलग हो गए।[24] 1966 में, संगीत निर्देशक आर.डी. बर्मन के एक साउंडट्रैक, फ़िल्म तीसरी मंज़िल के युगल गीतों में भोसले के गायन को काफ़ी सराहना मिली। बताया जाता है कि जब उन्होंने पहली बार डांस नंबर आजा आजा सुना, तो उन्हें लगा कि वह इस पश्चिमी धुन को नहीं गा पाएंगी। हालांकि बर्मन ने संगीत बदलने की पेशकश की, लेकिन उन्होंने इसे एक चुनौती के रूप में लेते हुए मना कर दिया। दस दिनों के अभ्यास के बाद उन्होंने यह गाना पूरा किया, और आजा आजा–साथ ही ओ हसीना ज़ुल्फ़ों वाली और ओ मेरे सोना रे (ये तीनों ही रफ़ी के साथ गाए गए युगल गीत थे)–काफ़ी सफल रहे। फ़िल्म के मुख्य अभिनेता शम्मी कपूर ने एक बार कहा था, अगर मेरे लिए गाने के लिए मोहम्मद रफ़ी नहीं होते, तो मैं यह काम आशा भोसले से करवाता। भोसले और बर्मन के इस साथ से कई हिट गाने निकले और दोनों ने शादी भी कर ली। 1960-70 के दशक के दौरान, वह हिंदी फ़िल्म अभिनेत्री और नर्तकी हेलेन की आवाज़ बनीं; हेलेन पर ही ओ हसीना ज़ुल्फ़ों वाली गाना फ़िल्माया गया था। कहा जाता है कि हेलेन अक्सर उनकी रिकॉर्डिंग के दौरान मौजूद रहती थीं, ताकि वह गाने को बेहतर ढंग से समझ सकें और उसी के अनुसार अपने डांस के स्टेप्स तय कर सकें।उनके कुछ अन्य लोकप्रिय गानों में पिया तू अब तो आजा (कारवां) और यह मेरा दिल (डॉन) शामिल हैं।1981 में, भोसले ने एक अलग शैली में हाथ आज़माया और रेखा अभिनीत फ़िल्म उमराव जान के लिए कई ग़ज़लें गाईं; इनमें दिल चीज़ क्या है, इन आँखों की मस्ती के, यह क्या जगह है दोस्तों और जुस्तजू जिसकी थी शामिल हैं। फ़िल्म के संगीत निर्देशक खय्याम ने उनकी आवाज़ की पिच (सुर) को आधा नोट कम कर दिया था। भोसले को खुद इस बात पर हैरानी हुई कि वह इतनी अलग तरह से गा सकती हैं। इन ग़ज़लों के लिए उन्हें अपने करियर का पहला राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार मिला। कुछ साल बाद, उन्हें फ़िल्म इजाज़त (1987) के गाने मेरा कुछ सामान के लिए एक और नेशनल अवार्ड मिला।1995 में, 62 साल की उम्र में, भोसले ने फ़िल्म रंगीला में एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर के लिए गाना गाया। इस फ़िल्म के साउंडट्रैक में उनके गाए गाने तन्हा तन्हा और रंगीला रे शामिल थे, जिन्हें म्यूज़िक डायरेक्टर ए. आर. रहमान ने कंपोज़ किया था; रहमान ने बाद में उनके साथ कई और गाने भी रिकॉर्ड किए। 2000 के दशक में, भोसले के कई गाने चार्टबस्टर बने, जिनमें लगान (2001) का राधा कैसे न जले, प्यार तूने क्या किया (2001) का कम्बख्त इश्क़, फ़िलहाल (2002) का ये लम्हा और लकी (2005) का लकी लिप्स शामिल हैं। अक्टूबर 2004 में, द वेरी बेस्ट ऑफ़ आशा भोसले, द क्वीन ऑफ़ बॉलीवुड नाम से एक एल्बम रिलीज़ हुआ। यह एल्बम 1966 से 2003 के बीच भोसले द्वारा गाए गए गानों और हिंदी फ़िल्मों के गानों का एक कलेक्शन था।2012 में, उन्होंने सुर क्षेत्र शो में जज की भूमिका निभाई।2013 में, 79 साल की उम्र में, भोसले ने फ़िल्म माई में मुख्य भूमिका निभाते हुए अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की। भोसले ने इस फ़िल्म में एक 65 साल की माँ का किरदार निभाया, जो अल्ज़ाइमर की बीमारी से पीड़ित है और जिसे उसके बच्चे छोड़ देते हैं।[26] उनकी एक्टिंग की समीक्षकों ने भी काफ़ी तारीफ़ की।मई 2020 में, भोसले ने आशा भोसले ऑफिशियल नाम से अपना YouTube चैनल लॉन्च किया।2023 में द इंडियन एक्सप्रेस को दिए एक इंटरव्यू में भोसले ने कहाः मेरे म्यूज़िक के सफ़र का सबसे मुश्किल हिस्सा अपनी एक अलग पहचान बनाना था। आज मुझे इस बात की बहुत खुशी है कि मेरे म्यूज़िक को आशा भोसले स्टाइल के नाम से जाना जाता है। उसी 2023 के इंटरव्यू में, भोसले ने कहा कि उम्र के साथ संगीत के साथ उनका जुड़ाव और भी मज़बूत हो गया हैः अब मैं सिर्फ़ कोई धुन नहीं गाती, बल्कि मुझे लगता है कि संगीत की लहरें मेरी रगों में दौड़ रही हैं। यह कुछ ऐसा है, जैसे मैं संगीत को देख सकती हूँ।संगीत निर्देशक ओ. पी. नैयर का भोसले के साथ जुड़ाव हिंदी फ़िल्मों के इतिहास का एक अहम हिस्सा है। वह पहले ऐसे संगीतकार थे, जिन्होंने भोसले को उनकी अपनी एक अलग पहचान दिलाई। कई लोगों ने इन दोनों के बीच प्रेम-संबंध होने की अटकलें भी लगाई हैं।नैयर की भोसले से पहली मुलाक़ात 1952 में, फ़िल्म छम छमा छम की संगीत रिकॉर्डिंग के दौरान हुई थी। इसके बाद उन्होंने भोसले को मांगू (1954) फ़िल्म के लिए बुलाया और उन्हें बाप रे बाप (1955), हम सब चोर हैं (1956), ष्ट.ढ्ढ.ष्ठ. (1956), दुनिया रंग रंगीली (1957), मिस्टर कार्टून रू. (1958) जैसी कई सुपरहिट फ़िल्मों में काम करने का बड़ा मौक़ा दिया। हालाँकि, यह फ़िल्म नया दौर (1957) की सफलता ही थी, जिसने इस जोड़ी को बेहद लोकप्रिय बना दिया। 1959 के बाद, वह भावनात्मक और पेशेवर, दोनों ही स्तरों पर ओ. पी. नैयर के साथ गहराई से जुड़ गईं।ओ. पी. नैयर और भोसले की इस जोड़ी को उनके चुलबुले और कभी-कभी बेहद मादक गीतों के लिए सबसे ज़्यादा याद किया जाता है। उनके कुछ ऐसे ही मादक गीतों के बेहतरीन उदाहरण हैं– मधुबाला पर फ़िल्माया गया गीत आइए मेहरबाँ (फ़िल्मः हावड़ा ब्रिज, 1958) और यह है रेशमी ज़ुल्फ़ों का अँधेरा (फ़िल्मः मेरे सनम, 1965)। आओ हुज़ूर तुमको (किस्मत, 1968) और जाइये आप कहाँ जायेंगे (मेरे सनम, 1965) भी लोकप्रिय थे। उन्होंने कई हिट गाने भी रिकॉर्ड किए तुमसा नहीं देखा (1957), एक मुसाफ़िर एक हसीना (1962) और कश्मीर की कली (1964) जैसी फ़िल्में। ओ. पी. नैयर ने अपने सबसे मशहूर डुएट गानों के लिए भोसले-रफ़ी की जोड़ी का इस्तेमाल किया, जैसे मांग के साथ तुम्हारा, उड़ें जब जब ज़ुल्फ़ें तेरी (दोनों नया दौर से), आप यूं ही अगर हमसे मिलते रहे, मैं प्यार का राही हूं (दोनों एक मुसाफ़िर एक हसीना से), दीवाना हुआ बादल, इशारों इशारों में (दोनों कश्मीर की कली से)।भोसले ने ओ. पी. नैयर के लिए अपना आखिरी गाना फ़िल्म प्राण जाए पर वचन न जाए (1974) में रिकॉर्ड किया। यह सोलो गाना चैन से हमको कभी कई अवॉर्ड्स जीत चुका है, लेकिन इसे फ़िल्म में शामिल नहीं किया गया था।वे 5 अगस्त 1972 को अलग हो गए। यह साफ़ नहीं है कि किस वजह से उन्होंने अपने रास्ते अलग किए। जब उनसे अलग होने की वजह पूछी गई, तो ओ. पी. नैयर ने एक बार कहा, मैं ज्योतिष बहुत अच्छी तरह जानता हूं। मुझे पता था कि एक दिन मुझे उससे अलग होना पड़ेगा। कुछ ऐसा भी हुआ जिससे मैं नाराज़ हो गया, इसलिए मैंने उसे छोड़ दिया।फिर भी, उन्होंने यह भी कहा, ...अब जब मैं छिहत्तर साल का हूं, तो मैं कह सकता हूं कि मेरी ज़िंदगी में सबसे अहम इंसान आशा भोसले थीं। वह सबसे बेहतरीन इंसान थीं जिनसे मैं कभी मिला। भोसले और ओ. पी. नैयर का अलग होना कड़वा था, और शायद इसीलिए उन्होंने नैयर को उनका सही श्रेय देने में हिचकिचाहट दिखाई है।

भारत की सुरसम्राज्ञी का अवसान- आशा भोसले (1933-2026)- एक युग का अंत,एक अमर धरोहर की शुरुआत

आशा भोसले के निधन के बाद म्यूजिक से लेकर सिनेमा,क्रिकेट और राजनेता भी सभी सिंगर क़ा सोशल मीडिया पर श्रद्धांजलियों का तांता लगा- पूरा देश शोक में डूबा आशा भोसले भारतीय सांस्कृतिक विरासत की जीवंत प्रतीक थीं, सात दशकों से अधिक लंबे अपने करियर में संगीत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया, ज़ो भारत ही नहीं वैश्विक संगीत जगत की भी एक अमर शख्सियत बनाता है वैश्विक स्तरपर भारतीय संगीत जगत के लिए 12 अप्रैल 2026 का दिन एक गहरे शोक और ऐतिहासिक क्षति का दिन बन गया, जब सुरों की अद्वितीय जादूगरनी आशा भोसले ने 92 वर्ष की आयु में इस दुनियाँ को अलविदा कह दिया। बताया गया है कि आशा भोसले का अंतिम संस्कार (13 अप्रैल) शाम 4 बजे शिवाजी पार्क में होगा, जो लोग भी उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि देना चाहते हैं, वे सुबह 11 बजे उनके घर आ सकते हैं।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

आशा भोसले के निधन के बाद म्यूजिक से लेकर सिनेमा,क्रिकेट और राजनेता भी सभी सिंगर को सोशल मीडिया पर श्रद्धांजलि दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर शोक व्यक्त कर रही हैं,मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांस लेने वाली आशा ताई केवल एक गायिका नहीं थीं, बल्कि वे भारतीय सांस्कृतिक विरासत की जीवंत प्रतीक थीं। सात दशकों से अधिक लंबे अपने करियर में उन्होंने जिस तरह से संगीत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया, वह उन्हें केवल भारत ही नहीं बल्किवैश्विक संगीत जगत की भी एक अमर शख्सियत बनाता है।उनके निधन की खबर ने न केवल संगीत प्रेमियों बल्कि राजनीतिक, सांस्कृतिक और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी गहरे शोक में डाल दिया। भारत के राष्ट्रपति उपराष्ट्रपति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,अमित शाह महाराष्ट्र के राज्यपाल मुख्यमंत्री सहित अनेक नेताओं औरकलाकारों ने उन्हेंश्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके योगदान को अविस्मरणीय बताया। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहूंगा कि आशा भोसले का जन्म 8 सितंबर 1933 को एक ऐसे परिवार में हुआ, जहां संगीत सांसों में बसता था। उनकी बड़ी बहन लता मंगेशकर पहले से ही संगीत की दुनियाँ में एक स्थापित नाम थीं, और इसी वातावरण ने आशा के भीतर भी संगीत के बीज बोए। मात्र 10 वर्ष की आयु में 1943 में उन्होंने अपने गायन करियर कीशुरुआत कर दी थी, जो आगे चलकर एक ऐतिहासिक यात्रा में परिवर्तित हुआ। प्रारंभिक संघर्षों के बावजूद उन्होंने अपनेअद्वितीय स्वर और बहुमुखी प्रतिभा के दम पर धीरे-धीरे बॉलीवुड और भारतीय संगीत उद्योग में अपनी अलग पहचान बनाई।1950 के दशक में उन्होंने जिस प्रकार अपनी आवाज का जादू बिखेरा, उसने उन्हें संगीत के आकाश का बुलंद चमकता सितारा बना दिया। साथियों बात अगर हम उनके करियर का आरंभिक दौर को समझने की करें तो,वह संघर्षों से भरा था। उन्होंने छोटे बजट की फिल्मों में गाकर अपने लिए जगह बनाई और धीरे-धीरे बड़े निर्देशकों और संगीतकारों का ध्यान आकर्षित किया। बिमल रॉय , राज कपूर जैसे दिग्गजों के साथ काम करने का अवसर उन्हें मिला। संगीतकार ओ . पी .नैयर के साथ उनकी जोड़ी ने कई सुपरहिट गीत दिए, लेकिन 1957 में आई फिल्म नया दौर उनके करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुई। इस फिल्म ने उन्हेंमुख्यधारा की सफलता दिलाई और वे भारतीय फिल्म संगीत की अग्रणी गायिकाओं में शामिल हो गईं।आशा भोसले की सबसे बड़ी विशेषता उनकी बहुमुखी प्रतिभा थी। उन्होंने केवल पारंपरिक फिल्मी गीत ही नहीं गाए, बल्कि गजल, पॉप, भक्ति, शास्त्रीय और लोक संगीत सहित हर शैली में अपनी अद्भुत पकड़ दिखाई। 1981 में आई फिल्म उमराव जान में उनके द्वारा गाई गई गजलें-दिल चीज क्या है', इन आंखों की मस्ती के, ये क्या जगह है दोस्तों-आज भी संगीत प्रेमियों के दिलों में जीवित हैं। इन गीतों ने उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार दिलाया और यह साबित किया कि वे केवल एक प्लेबैक सिंगर ही नहीं, बल्कि एक संपूर्ण बहुमुखी की धनी कलाकार थीं। साथियों बात अगर हम आशा भोसले की उपलब्धियों की करें तो उनकी उपलब्धियां केवल भारत तक सीमित नहीं रहीं। आशा भोसले ने अपने करियर में 20 सेअधिक भाषाओं में गीत गाए, जिसके कारण उनका नाम जीनियस बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड्स में दर्ज हुआ। उन्होंने संगीत को वैश्विक मंच पर भारतीय पहचान दिलाई।उनके गीतों में भारतीयता की खुशबू के साथ-साथ आधुनिकता की झलक भी देखने को मिलती थी, जिसने उन्हें हर पीढ़ी का प्रिय बना दिया।उनका करियर केवल गायन तक सीमित नहीं रहा। 2013 में उन्होंने फिल्म माई के माध्यम से अभिनय की दुनिया में भी कदम रखा और अपने अभिनय से आलोचकों की प्रशंसा प्राप्त की।2020 में उन्होंने डिजिटल युग के साथ कदम मिलाते हुए अपना यूट्यूब चैनल भी शुरू किया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वे समय के साथ खुद को ढालने में भी माहिर थीं। 90 वर्ष की आयु के बाद भी उनका मंच पर प्रदर्शन करना उनकी ऊर्जा और संगीत के प्रति समर्पण को दर्शाता है। 2025 में दुबई में उनका कॉन्सर्ट इस बात का जीवंत प्रमाण था कि उम्र उनके लिए केवल एक संख्या थी। साथियों बात अगर कर हम आशा भोसले का संगीत सफर केवल उपलब्धियों की कहानी नहीं, बल्कि एक प्रेरणा है इसको समझने की करें तो, उन्होंने हर दौर में खुद को प्रासंगिक बनाए रखा। 1990 और 2000 के दशक में भी उन्होंने रंगीला,लगान,प्यार तूने क्या किया जैसी फिल्मों में अपनी आवाज देकर यह साबित किया कि वे हर पीढ़ी के साथ तालमेल बैठाने में सक्षम हैं।ए.आर .रहमान जैसे आधुनिक संगीतकारों के साथ काम करते हुए उन्होंने अपने संगीत को नई दिशा दी।उनके निधन के बाद पूरे देश और दुनिया में शोक की लहर दौड़ गई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उन्हें सबसे बहुमुखी कलाकार बताते हुए कहा कि उनका जाना केवल एक कलाकार का नहीं, बल्कि एक युग का अंत है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने उनके साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों को याद करते हुए कहा कि आशा ताई का संगीत के प्रति समर्पण अद्वितीय था। वहीं तेजसध्वी यादव ने भी इसे संगीत जगत साथियों बात अगर हम आशा भोंसले के जीवन से सीखने की करें तो,उनका जीवन यह सिखाता है कि प्रतिभा,परिश्रम और समर्पण से किसी भी क्षेत्र मेंअमरता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने न केवल संगीत को जिया बल्कि उसे अपने अस्तित्व का हिस्सा बना लिया। उनका हर गीत एक कहानी कहता है, हर सुर एक भावना व्यक्त करता है, और हर धुन एक याद बन जाती है।आज जब वे हमारे बीच नहीं हैं, तब भी उनकी आवाज हमेशा गूंजती रहेगी,रेडियो पर, फिल्मों में, मंचों पर और हर उस दिल में जिसने कभी उनके गीतों को महसूस किया है। उनका निधन एक शारीरिक अंत हो सकता है, लेकिन उनका संगीत अमर है। आने वाली पीढ़ियां उनके गीतों से प्रेरणा लेंगी और उन्हें एक आदर्श के रूप में देखेंगी।आशा भोसले केवल एक नाम नहीं थीं, वे एक युग थीं,एक ऐसा युग जिसने भारतीय संगीत को वैश्विक पहचान दिलाई। उनका जाना एक खालीपन छोड़ गया है, जिसे भर पाना असंभव है। लेकिन उनके गीत, उनकी आवाज और उनकी विरासत हमेशा जीवित रहेगी, हमें यह याद दिलाती रहेगी कि सच्चा कलाकार कभी मरता नहीं,वह अपने कला के माध्यम से हमेशा लोगों के दिलों में जीवित रहता है। साथियों बात अगर हम आशा भोसले क़े निधन पर राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति प्रधानमंत्री सहित अनेक नेताओं द्वारा दी गई श्रद्धांजलि की करें तो भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिग्गज गायिका आशा भोंसले के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसे संगीत की दुनिया के लिए एक अपूरणीय क्षति बताया है। उन्होंने कहा कि आशा जी की सुरीली और सदाबहार आवाज ने दशकों तक भारतीय संगीत को समृद्ध किया और उनके जाने से संगीत जगत में एक बहुत बड़ा खालीपन आ गया है।भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने प्रसिद्ध गायिका आशा भोसले के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।मुझे महान गायिका आशा भोसले जी के निधन की खबर सुनकर गहरा दुख हुआ है। उनके परिवार, प्रशंसकों और संगीत प्रेमियों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। आशा जी अपनी बहुमुखी आवाज से विभिन्न शैलियों में सहजता गा पाई। इससे उन्होंने भावपूर्ण ग़ज़लों और पारंपरिक भजनों में महारत हासिल की और भारतीय संगीत पर एक अमिट छाप छोड़ी।उनकी बेमिसाल आवाज और संगीत की विरासत लाखों लोगों के दिलों में गूंजती रहेगी और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

सिटी बस में सवार हुए एमएलए-मेयर

बेलतरा MLA सिटी बस में किया सफर : 12 करोड़ से अधिक के कार्यों का शिलापूजन-लोकार्पण

मीडिया ऑडीटर,बिलासपुर (निप्र)। बिलासपुर जिले के बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में रविवार को विकास उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें 12 करोड़ 16 लाख 97 हजार की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का शिलापूजन और लोकार्पण किया गया। विधायक सुशांत शुक्ला ने कोनी स्थित बस डिपो में ग्रामीण क्षेत्रों के लिए सिटी बस सेवा का शुभारंभ किया विधायक सहित जनप्रतिनिधियों ने सिटी बस की सवारी भी की। दरअसल विधायक सुशांत शुक्ला ने कोनी स्थित बस डिपो से सिटी बस सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस सुविधा के शुरू होने से शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच आवागमन और अधिक सुगम होगा सिटी बस सेवा को लेकर क्षेत्रवासियों में खासा उत्साह देखा गया। सिटी बस सेवा का शुभारंभ के बाद विधायक सुशांत शुक्ला, महापौर पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, एमआईसी सदस्य और पार्षदों ने सिटी बस की सवारी की। बस में सवार होकर सभी जनप्रतिनिधि अपने अगले कार्यक्रम के लिए रवाना हुए। बस राजकिशोर पहुंचीजहां हरश्रृंगार कॉलोनी में सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया गया। इस मौके पर विधायक शुक्ला ने कहा कि राजकिशोर नगर स्थित हरश्रृंगार सामुदायिक भवन से मध्यमवर्गीय परिवारों को सामाजिक आयोजनों के लिए सुलभ और किफायती जगह उपलब्ध होगा। सिटी बस सेवा रेलवे स्टेशन से गांधी चौक, तोरवा चौक, मोपका चौक, राजकिशोर नगर, साइंस कॉलेज, तिफरा, सकरी, बैमा, नगोई, पौंसरा, लखराम, अकलतरी, सरवनदेवरी होते हुए गढ़वट तक जाएगी। रेलवे स्टेशन से होकर, तारबाहर चौक, पुराना बस स्टैंड, नेहरू चौक, सरकंडा, राजकिशोर नगर, मोपका, लगरा, रेंदा, पंधी, मटियारी, मोहदा, सेलर, खैरा, डनगनिया, टेकर, नेवसा, गिरौध, जाली होते हुए बेलतरा तक जाएगी। रेलवे स्टेशन से होकर तारबाहर चौक, पुराना बस स्टैंड, नेहरू चौक, सरकंडा, कोनी, रमतला, सेंदरी, कछार, लोफंदी, अमतरा, चुमकांवा, पेंडरवा होते हुए रानी गांव और रतनपुर तक जाएगी। विधायक सुशांत शुक्ला ने कहा कि, बेलतरा की जनता को बेहतर सड़क, परिवहन और आधारभूत सुविधाएं देना हमारी प्राथमिकता है।

खजाने की तलाश में 20 फीट गहरी सुरंग , नरवर किले में दफीनाखोरों ने खोदी सुरंग

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के नरवर किले में स्थित मां पसर देवी मंदिर के पिछले हिस्से में खजाने की तलाश में दफीनाखोरों द्वारा खोदी गई 20 फीट गहरी सुरंग मिली है। दफीनाखोरों ने इस सुरंग को झाड़ियों से ढककर छिपाने का प्रयास किया सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची नरवर पुलिस और प्रशासनिक टीम ने घटनास्थल से खुदाई के औजार, एरोसोल स्प्रे कैन और कंबल बरामद कर पूरे मामले की गहनता से जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, मां पसर देवी मंदिर में माता की प्रतिमा लेटी हुई अवस्था में विराजमान है ऐसी मान्यता है कि प्रतिमा के नीचे खजाना छिपा हुआ है इसी विश्वास के चलते दफीनाखोर मंदिर तक पहुंचने के लिए यह 20 फीट गहरी सुरंग खोद रहे थे। रात में करते थे खुदाई, सुबह झाड़ियों से ढक देते थे गड्ढा आशंका है कि खजाने की तलाश में यह खुदाई कई दिनों से रात के समय की जा रही थी। सुबह होने से पहले इसे झाड़ियों से ढक दिया जाता था ताकि किसी को इसकी भनक न लगे। पुलिस की जांच के दौरान घटनास्थल से खुदाई में इस्तेमाल किए जाने वाले औजार, एरोसोल स्प्रे कैन और कंबल जैसी सामग्री भी बरामद हुई है जिससे स्पष्ट होता है कि यहां रात में रुककर काम किया जा रहा था। में पहले भी सामने आ चुके हैं खुदाई के मामले यह पहली बार नहीं है जब नरवर किले में दफीनाखोरों द्वारा खुदाई के मामले सामने आए हैं। इससे पहले भी खजाने की तलाश में किले के कई स्थानों पर इस तरह की गतिविधियां देखी गई हैं।

पेंशनर्स संघ ने रिटायर्ड डीएसपी पर FIR को बताया झूठा, पन्ना मामले में शिवपुरी SP को सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। मध्य प्रदेश पुलिस पेंशनर्स संघ ने पन्ना जिले के मंडला थाने में एक सेवानिवृत्त डीएसपी और उनकी पत्नी के खिलाफ दर्ज एफआईआर को 'झूठा' बताते हुए पुलिस अधीक्षक कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। संघ ने इस मामले को खारिज करने और दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में बताया गया है कि 80 वर्षीय सेवानिवृत्त उप पुलिस अधीक्षक भरत सिंह चौहान और उनकी 76 वर्षीय पत्नी राजश्री चौहान के खिलाफ पन्ना जिले के मंडला थाने में केस दर्ज किया गया है। संघ का आरोप है कि यह एफआईआर 'असत्य तथ्यों' पर आधारित है। संघ के अनुसार, यह घटना 7 अप्रैल 2026 को पन्ना-छतरपुर मार्ग पर वाहन चेकिंग के दौरान हुई थी आरोप है कि एक आरक्षक ने दंपती के साथ अभद्र व्यवहार किया इसके बाद थाना प्रभारी रचना पटेल ने आरक्षक की रिपोर्ट पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और आर्म्स एक्ट की गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया। संघ के जिला अध्यक्ष गौरी शंकर शर्मा ने आरोप लगाया कि सेवानिवृत्त डीएसपी को 'झूठा फंसाया गया' है। उन्होंने सवाल उठाया कि 80 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति कई पुलिसकर्मियों के बीच शासकीय कार्य में बाधा कैसे डाल सकता है। शर्मा ने कहा कि पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त होने के कारण वे विभागीय कार्यप्रणाली को समझते हैं और यह एफआईआर 'संदिग्ध एवं तथ्यहीन' प्रतीत होती है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि सीट बेल्ट जैसे सामान्य मोटर व्हीकल एक्ट के मामले को अनावश्यक रूप से गंभीर आपराधिक प्रकरण में बदल दिया गया इसके अतिरिक्त, लायसेंसी बंदूक का उपयोग न होने के बावजूद आर्म्स एक्ट की धाराएं लगाए जाने पर भी सवाल उठाए गए हैं। पुलिस पेंशनर्स संघ ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते उचित कार्रवाई नहीं हुई तो पूरे मध्य प्रदेश में आंदोलन किया जाएगा। संघ ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर न्याय दिलाने की मांग की। उनकी प्रमुख मांगों में केस को खारिज करना, थाना प्रभारी सहित संबंधित पुलिसकर्मियों पर सख्त कार्रवाई करना, मामले की निष्पक्ष जांच किसी अन्य जिले के वरिष्ठ अधिकारी से कराना और पुलिस मैनुअल के नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना शामिल है।

अप्रैल में लगेंगे विशेष श्रमिक शिविर, ई-श्रम, पीएमआईएस और पेंशन योजनाओं का मिलेगा लाभ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में श्रमिकों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे गांव स्तर पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से श्रम विभाग द्वारा विशेष मोबाइल शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में श्रम पदाधिकारी कार्यालय ने विस्तृत आदेश जारी करते हुए अप्रैल 2026 के दौरान विभिन्न ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित करने हेतु अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित कर दी है। जारी आदेश के अनुसार इन शिविरों में श्रमिकों का पंजीयन, नवीनीकरण एवं संशोधन कार्य किए जाएंगे। साथ ही ई-श्रम पंजीकरण, श्रम योगी मानधन पेंशन योजना तथा प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ भी पात्र हितग्राहियों को प्रदान किया जाएगा। विभाग का उद्देश्य है कि अधिक से अधिक श्रमिक इन योजनाओं से जुड़कर सामाजिक सुरक्षा का लाभ प्राप्त कर सकें। कार्यक्रम के तहत 10 अप्रैल से 28 अप्रैल 2026 तक जिले के मनेंद्रगढ़, खड़गवां और भरतपुर विकासखंड के विभिन्न ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। मनेंद्रगढ़ विकासखंड के बंजी, सेमरा और बौरिडांड में शिविर लगाए जाएंगे जबकि खड़गवां विकासखंड के महात्मा गांधी वार्ड हल्दीबाड़ी सहित अन्य क्षेत्रों को भी शामिल किया गया है। इसी प्रकार भरतपुर विकासखंड के जनुवा, पुंजी, सिंगरौली और कुंवारी ग्राम पंचायतों में भी शिविरों का आयोजन सुनिश्चित किया गया है। इन शिविरों में श्रम कल्याण निरीक्षक, डाटा एंट्री ऑपरेटर सहित संबंधित अधिकारियों की ड्यूटी तय की गई है जो शिविर स्थल पर उपस्थित रहकर श्रमिकों के आवेदन प्राप्त करेंगे और उनका त्वरित निराकरण सुनिश्चित करेंगे। विभाग ने सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि वे निर्धारित समय प्रातः 10 बजे अनिवार्य रूप से शिविर स्थल पर उपस्थित रहें। इसके अलावा, शिविर से पूर्व संबंधित क्षेत्रों में मुनादी कर श्रमिकों को जानकारी देने और उनकी अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

मेयर ने पार्षद पर कांग्रेस से सांठगांठ का आरोप लगाया

मीडिया ऑडीटर,बिलासपुर (निप्र)। भाजपा पार्षद दल की बैठक में विधायकों की कुर्सी खाली। मेयर और पार्षद में विवाद के बाद सबको शांत कराते जिलाध्यक्ष दीपक सिंह बिलासपुर में भाजपा पार्षद दल की बैठक में महापौर और पार्षद के बीच तीखी बहस हुई जिला भाजपा कार्यालय में हुई इस बैठक में सफाई ठेके को लेकर महापौर पूजा विधानी और पार्षद रंगा नादम आमने-सामने आ गए। विवाद इतना बढ़ा कि महापौर ने पार्षद पर कांग्रेस से सांठगांठ के आरोप लगाए। पार्षद रंगा नादम ने महापौर के आरोपों का पलटवार करते हुए कहा कि महापौर खुद कांग्रेस से भाजपा में आई हैं।

एकलव्य विद्यालय कक्षा 6 वीं प्रवेश परीक्षा का परिणाम जारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में शिक्षा सत्र 2026-27 के लिए एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में कक्षा 6वीं प्रवेश हेतु आयोजित परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया गया है। यह परीक्षा 01 मार्च 2026 को प्रदेश के 27 जिलों के 150 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई थी जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया था। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय और राष्ट्रीय आदिवासी छात्र शिक्षा समिति नई दिल्ली के मार्गदर्शन में तथा छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय आदिम जाति कल्याण, आवासीय एवं आश्रम शैक्षणिक संस्थान समिति के संचालन में यह परीक्षा आयोजित की गई थी। इस परीक्षा के माध्यम से राज्य के अंतर्गत संचालित 75 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में प्रवेश के लिए योग्य विद्यार्थियों का चयन किया गया। अब अभ्यर्थी एकलव्य विद्यालयों की आधिकारिक वेबसाइट [eklavyacg.nic.in](http//eklavyacg.nic.in) पर जाकर अपना परीक्षा परिणाम देख सकते हैं। इसके लिए वेबसाइट पर निर्धारित लिंक में आवश्यक जानकारी भरकर परिणाम प्राप्त किया जा सकता है। प्रवेश प्रक्रिया के अगले चरण के तहत काउंसलिंग की जानकारी भी जल्द ही वेबसाइट पर अलग से जारी की जाएगी। अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों को यह सलाह दी गई है कि वे नियमित रूप से वेबसाइट पर नजर बनाए रखें ताकि किसी भी महत्वपूर्ण सूचना से वंचित न रहें। काउंसलिंग के समय अभ्यर्थियों को आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होना होगा जिसके बारे में वेबसाइट पर विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि चयन प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ संचालित की जा रही है और केवल योग्य विद्यार्थियों को ही प्रवेश दिया जाएगा। अभ्यर्थियों को यह आश्वासन दिया गया है कि किसी भी प्रकार की असुविधा या भ्रांतियां नहीं होंगी और सभी परिणाम और काउंसलिंग के संबंधित चरण समय पर और सही तरीके से संपन्न होंगे। इस तरह एकलव्य आदर्श विद्यालय में प्रवेश के लिए यह परीक्षा अभ्यर्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर बन चुकी है और वे जल्द ही अपनी काउंसलिंग प्रक्रिया की ओर अग्रसर होंगे।

रास्ते में रोककर परिवार पर हमला, पुलिस ने नहीं की सुनवाई; एसपी से लगाई गुहार

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के बामौरकला थाना क्षेत्र के चौकाखेड़ा गांव में रास्ते में रोककर एक व्यक्ति और उसके परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है पीड़ितों ने इस संबंध में पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर उचित कार्रवाई की मांग की है यह घटना रविवार रात को हुई थी। पीड़ित रामराज सिंह यादव ने बताया कि वह रात करीब 8:30 बजे बामौरकला से अपने गांव लौट रहे थे गांव में कल्याण यादव के घर के सामने पहुंचते ही वहां मौजूद कुछ लोगों ने उन्हें रोक लिया आरोपियों ने पहले गाली-गलौज की और फिर डंडों से उन पर हमला कर दिया। रामराज के शोर मचाने पर उन्हें बचाने के लिए उनके चचेरे भाई अनिल यादव, अनुज यादव और चाची गीता बाई मौके पर पहुंचे। आरोप है कि हमलावरों ने इन तीनों के साथ भी बेरहमी से मारपीट की जिससे सभी को चोटें आईं। गंभीर रूप से घायल गीता बाई को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बामौरकला पुलिस पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप है।

पंचायत चुनाव 2026 की तैयारी तेज, 5 मई को अंतिम मतदाता सूची होगी जारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ में प्रस्तावित पंचायत आम निर्वाचन 2026 को लेकर तैयारियां अब तेज हो गई हैं। राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी और समयबद्ध ढंग से संपन्न कराने के लिए विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया है। यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 42 एवं पंचायत निर्वाचन नियम 1995 के नियम 18 के तहत निर्धारित किया गया है आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार प्रदेश के सभी विकासखंडों में 1 अप्रैल 2026 की स्थिति में फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली तैयार की जाएगी इसके लिए संबंधित जिलों के पंजीकरण अधिकारियों और विभागीय अमले को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरे किए जाएं ताकि चुनाव प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित हो सके। निर्वाचन प्रक्रिया के तहत 13 अप्रैल 2026 से नामावली के द्वितीय चरण की शुरुआत हो गई है इस दिन निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन किया गया जिसके साथ ही दावा और आपत्ति दर्ज कराने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। नागरिक 20 अप्रैल 2026 को अपराह्न 3 बजे तक अपने दावे और आपत्तियां प्रस्तुत कर सकेंगे प्राप्त आवेदनों का निराकरण 23 अप्रैल 2026 तक किया जाएगा। इसके बाद 24 अप्रैल 2026 तक पंजीकरण अधिकारी एवं सहायक पंजीकरण अधिकारियों को प्रपत्र-1 में दावे प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है इन दावों का अंतिम निराकरण 27 अप्रैल 2026 तक किया जाएगा। साथ ही निराकरण आदेश के विरुद्ध पांच दिनों के भीतर अपील करने का प्रावधान भी रखा गया है जिससे प्रक्रिया की पारदर्शिता बनी रहे। आयोग के अनुसार 29 अप्रैल 2026 तक मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन और विलोपन से संबंधित सभी प्रविष्टियां सॉफ्टवेयर में दर्ज कर ली जाएंगी इसके बाद 2 मई 2026 तक चेकलिस्ट की पुनः जांच कर पीडीएफ जिला कार्यालय को सौंपा जाएगा। 4 मई 2026 तक अनुपूरक सूची का मुद्रण कर उसे मूल सूची के साथ संलग्न किया जाएगा। अंततः राज्य निर्वाचन आयोग की स्वीकृति के बाद 5 मई 2026 को पंचायत चुनाव के लिए अंतिम निर्वाचक नामावली का विधिवत प्रकाशन किया जाएगा।

अवैध रेत उत्खनन पर बड़ी कार्रवाई, रात 1 बजे छापा; मशीन सहित 4 ट्रैक्टर जब्त

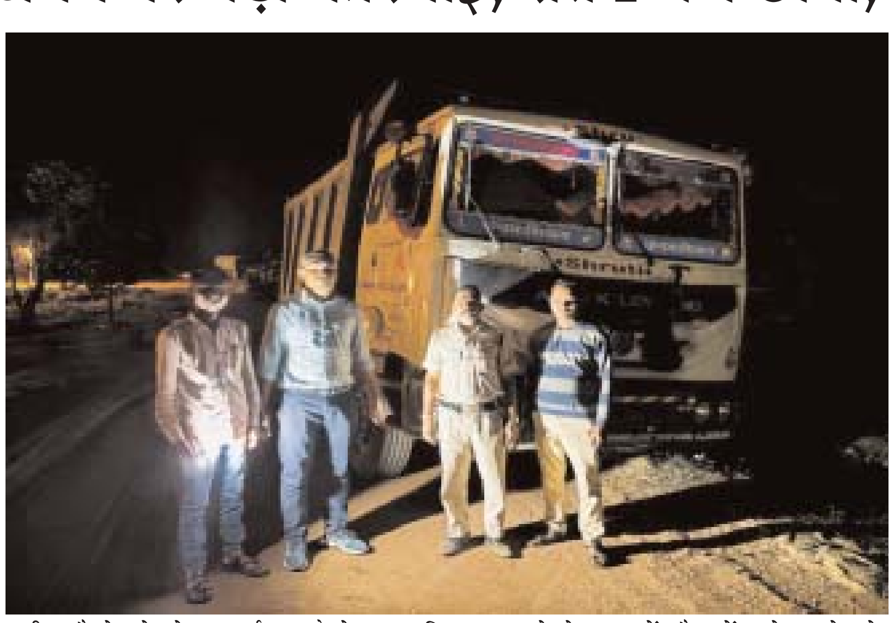

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। कलेक्टर के निर्देश पर खनिज विभाग ने 10 अप्रैल 2026 की देर रात ताबड़तोड़ छापेमारी करते हुए कई वाहनों और मशीनों को जब्त किया। इस कार्रवाई से अवैध खनन में संलिप्त लोगों में हड़कंप मच गया है। लगातार मिल रही शिकायतों के आधार पर खनिज विभाग की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से यह कार्रवाई की रात्रि लगभग 1 बजे ग्राम पंचायत हरचौका, तहसील भरतपुर स्थित मवई नदी में संचालित रेत खदान का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि खनन कार्य पर्यावरणीय नियमों के विपरीत किया जा रहा था। नियमों की अनदेखी करते हुए मशीनों के माध्यम से अवैध रूप से रेत निकासी की जा रही थी। मौके पर त्वरित कार्रवाई करते हुए खनिज विभाग ने एक माउंटेन मशीन और रेत से भरे एक हाईवा वाहन को जब्त कर लिया इसके बाद टीम ने कार्रवाई का दायरा बढ़ाते हुए सिरौली और चिउंटिमार क्षेत्रों में भी दबिश दी जहां अवैध रूप से रेत परिवहन किया जा रहा था। यहां से चार ट्रैक्टर वाहनों को पकड़ा गया जो बिना वैध अनुमति के रेत का परिवहन कर रहे थे। सभी जब्त वाहनों के मालिकों के खिलाफ खनन एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21(1), 21(5) एवं 23(क) के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई है। विभाग द्वारा जब्त किए गए चारों ट्रैक्टरों को कलेक्टरेट परिसर में सुरक्षित खड़ा कराया गया है जबकि अन्य जब्त सामग्री को भी नियमानुसार सुरक्षित रखा गया है। इस पूरी कार्रवाई में खनिज अधिकारी दयानंद तिग्गा, खनिज सिपाही राजकुमार यादव सहित विभागीय टीम की सक्रिय भूमिका रही। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध उत्खनन और परिवहन के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। प्रशासन की इस सख्ती से यह संदेश साफ है कि प्राकृतिक संसाधनों के अवैध दोहन को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और कानून का उल्लंघन करने वालों पर लगातार शिकंजा कसा जाता रहेगा।

राजस्व वसूली में खनिज विभाग का दमदार प्रदर्शन, 90 करोड़ लक्ष्य के मुकाबले 79.53 करोड़ की प्राप्ति

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में खनिज विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान राजस्व वसूली में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए अपनी कार्यक्षमता का परिचय दिया है विभाग को 90.00 करोड़ रुपये का लक्ष्य दिया गया था, जिसके विरुद्ध 79.53 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्ति दर्ज की गई है यह कुल लक्ष्य का लगभग 88 प्रतिशत है जो विभाग की सक्रियता और प्रभावी कार्यप्रणाली को दर्शाता है। यह लक्ष्य संचालक, संचालनालय भौमिक एवं खनिजकर्म, अटल नगर नवा रायपुर द्वारा निर्धारित किया गया था। कलेक्टर के मार्गदर्शन एवं विभागीय अधिकारियों के निर्देशन में खनिज विभाग ने योजनाबद्ध तरीके से कार्य करते हुए इस उपलब्धि को हासिल किया। जिले में संचालित प्रमुख खनिजों जैसे कोयला एवं गौण खनिजों में गिट्टी (साधारण पत्थर) और रेत के उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर विभाग द्वारा लगातार निगरानी रखी गई। इसके साथ ही अवैध उत्खनन और परिवहन पर सख्ती बरतते हुए राजस्व संग्रह को सुनिश्चित किया गया विभाग ने नियमित निरीक्षण और छापामार कार्रवाई के माध्यम से नियमों का पालन करवाया। अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए विभाग ने कड़ी कार्रवाई करते हुए कुल 146 प्रकरण दर्ज किए इन मामलों में दोषियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई करते हुए 38.70 लाख रुपये की राशि अर्थदंड एवं समझौता शुल्क के रूप में वसूल की गई जिसे खनिज मद में जमा कराया गया है इससे न केवल अवैध कार्यों पर अंकुश लगा बल्कि राजस्व में भी वृद्धि हुई। खनिज विभाग की इस उपलब्धि के पीछे सतत निगरानी, त्वरित कार्रवाई और प्रशासनिक समन्वय की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

मल्हारगढ़ में 6 फीट जहरीला इंडियन कोबरा घुसा सर्पमित्र ने एक घंटे में रेस्क्यू किया, जंगल छोड़ा

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के मल्हारगढ़ स्थित महादेव विहार कॉलोनी में रविवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक घर में करीब 6 फीट लंबा सर्प दिखाई दिया। सांप को देखते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों द्वारा सूचना देने पर सर्प मित्र सरफराज तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने सूझबूझ के साथ करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सांप का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया। इसके बाद सांप को सुरक्षित पकड़कर जंगल में छोड़ दिया गया। जानकारी के अनुसार, पकड़ा गया सांप इंडियन कोबरा (भारतीय नाग) प्रजाति का था, जो अत्यंत जहरीला होता है। सर्प मित्र सरफराज ने इसकी उम्र लगभग 13 से 15 वर्ष के बीच बताई है। उन्होंने बताया कि इस प्रजाति के सांप में न्यूरोटॉक्सिन नामक जहर पाया जाता है, जो इंसानों के लिए बेहद खतरनाक होता है। सर्प मित्र सरफराज पिछले 10 वर्षों से वन्यजीवों के रेस्क्यू कार्य में सक्रिय हैं। वे अब तक करीब 6 हजार से अधिक जीवों का सुरक्षित रेस्क्यू कर चुके हैं। इनमें सांप, गोयरा, मगरमच्छ, अजगर, कब्र बिच्छू, लेपर्ड, हाइना और बड़ी मधुमक्खियां जैसे जीव शामिल हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय नाग भारत में व्यापक रूप से पाया जाता है और पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यह सांप चूहों और मेंढ़कों की संख्या नियंत्रित कर **पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में मदद करता है।:**सर्प मित्र सरफराज ने आमजन से अपील की है कि यदि कहीं सांप या कोई अन्य जहरीला जीव दिखाई दे तो घबराएं नहीं और उसे मारने के बजाय तुरंत पुलिस या सर्प मित्र को सूचना दें, ताकि किसी भी अनहोनी से बचा जा सके।

सीहोर में 39 डिग्री पहुंचा पारा :24 घंटे में 2 डिग्री बढ़ा तापमान मौसम विभाग ने जताई लू चलने की आशंका

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में बीते 24 घंटे में अधिकतम तापमान 2 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी के साथ 39 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है, जो एक दिन पहले 37 डिग्री सेल्सियस था। तापमान में लगातार हो रही इस वृद्धि के कारण लोगों को तेज धूप और भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में मौसम विभाग ने आगामी दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी के साथ लू चलने की आशंका जताई है, जबकि जिले में बीते 3 दिनों से सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक भीषण गर्मी का दौर जारी है।

वेस्टर्न डिस्टरबेंस का असर खत्म, आसमान हुआ साफः उल्लेखनीय है कि अप्रैल माह की शुरुआत में मौसम का मिजाज अचानक बदला था। साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम और वेस्टर्न डिस्टरबेंस के प्रभाव से कुछ दिनों तक हल्की बारिश भी हुई थी। हालांकि, अब आसमान पूरी तरह साफ हो गया है और इन मौसमी प्रणालियों का असर समाप्त हो गया है, जिसके चलते तापमान में तेजी से उछाल आया है।

बीते 5 दिनों का अधिकतम तापमानः मौसम विभाग के अनुसार, फिलहाल मौसम में किसी अन्य बदलाव की संभावना नहीं है और अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी, जिससे गर्मी और लू का प्रकोप बढ़ेगा। जिले में बीते 5 दिनों का अधिकतम तापमान इस प्रकार दर्ज किया गयाः

9 अप्रैलः 38 डिग्री सेल्सियस
10 अप्रैलः 34 डिग्री सेल्सियस
11 अप्रैलः 36 डिग्री सेल्सियस
12 अप्रैलः 37 डिग्री सेल्सियस
13 अप्रैलः 39 डिग्री सेल्सियस

कॉम्बिंग गश्त में पुलिस ने पकड़े 7 वारंटी बांदरी थाना इलाके के मामलों में थे फरार

9 वारंटियों ने पेश की वारंट निरस्त की रसीद

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर पुलिस ने कॉम्बिंग गश्त कर अलग-अलग मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे 7 वारंटियों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा 9 अन्य वारंटियों को पकड़ा गया। लेकिन उन्होंने न्यायालय से वारंट निरस्त कराने की रसीद पेश कर दी। जिसके बाद उन्हें छोड़ दिया गया। दरअसल, बांदरी थाना पुलिस ने थाना क्षेत्र में कॉम्बिंग गश्त की। थाना पुलिस की अलग-अलग टीमें गठित कर गुड़ा, बदमाश, निगरानीशुदा, वारंटी और अन्य अपराधी की धरपकड़ शुरू की। टीम ने देर रात अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी। जहां से 7 वारंटियों को पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार, कॉम्बिंग गश्त के दौरान कार्रवाई करते हुए मारपीट के प्रकरण में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी श्रीराम पिता रल्ली यादव (40), अज्जा उर्फ विश्वनाथ पिता मुलायम यादव (22), रामाधार पिता श्रीराम यादव (22) सभी निवासी टिगरा को गिरफ्तार किया गया। उक्त आरोपियों के खिलाफ न्यायालय से स्थायी वारंट जारी किए गए थे। इसी प्रकार अन्य वारंटियों में विशेष पिता मुल्ली आदिवासी (24), धीरज पिता वीरन आदिवासी (30), इमरत पिता हल्कू आदिवासी (40) और सुंदर पिता रम्मू आदिवासी सभी निवासी बांदरी को गिरफ्तार किया गया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 9 अन्य वारंटियों के संबंध में जांच की। जिसमें पाया गया कि उनके द्वारा पूर्व में न्यायालय से वारंट निरस्त करा लिए गए थे। लेकिन वे थाने में उपस्थित नहीं हो रहे थे। संबंधित व्यक्तियों द्वारा रसीद प्रस्तुत करने पर विधिवत रसीद प्राप्त की गई। गश्त के दौरान बांदरी पुलिस ने 3 स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार कर 13 गिरफ्तारी वारंट तामील कराए। थाने के उप निरीक्षक गणपत बुंदेला ने बताया कि कॉम्बिंग गश्त के दौरान पकड़े गए वारंटियों को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से उन्हें कोर्ट के आदेश पर उपजेल खुरई भेजा गया है।

रतलाम में एक अकाउंट में जमा हुआ 47 लाख खाताधारक समेत तीन लोग गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। तमिलनाडु के कोयंबटूर के एक शख्स को डिजिटल अरेस्ट कर 67 लाख 75301 रुपए ठगे गए। ठगी गई राशि का एक हिस्सा 47 लाख 75,301 रुपए रतलाम में फेडरल बैंक के एक अकाउंट में जमा हुआ। रतलाम पुलिस ने रविवार को संबंधित जिस खाते में रुपए जमा हुए उसके खाता धारक और दो अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है। रतलाम के खाता धारक का बैंक अकाउंट म्यूल अकाउंट के रूप में यूज किया है। इसके बदले खाताधारक को कमीशन देने की बात सामने आई है। एसपी अमित कुमार ने बताया नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर केसी श्रीधर निवासी कोयंबटूर (तमिलनाडु) द्वारा Online Financial Fraud (Internet Banking Fraud) की शिकायत दर्ज

की गई। शिकायतकर्ता को फ्राडस्टर्स द्वारा 'डिजिटल अरेस्ट स्कैम' कर कुल धोखाधड़ी 67,75,301 रुपए ठगे गए। कोयंबटूर पुलिस द्वारा जांच में पाया कि उक्त धोखाधड़ी की राशि का एक हिस्सा रतलाम में संबंधित फेडरल बैंक खाते में जमा हुआ है। इससे स्पष्ट हुआ कि यह खाता मल्टी-स्टेट साइबर फ्रॉड नेटवर्क में यूज किया गया।

रतलाम के तीन लोग गिरफ्तारः जांच के दौरान समन्वय पोर्टल (JCCT) से प्राप्त जानकारी के अनुसार फेडरल बैंक का खाता संदिग्ध पाया गया। नोडल अधिकारी फेडरल बैंक से जानकारी प्राप्त करने पर पता चला कि उक्त खाता खाताधारक प्रथम मित्तल (23) निवासी माणकचौक, रतलाम के नाम पर है। उक्त खाते के ट्रांजेक्शन के बारे में जांच की गई। पता चला कि 25 मार्च 2026 को प्रथम मित्तल के खाते में 47,75,301 रुपए की संदिग्ध राशि जमा हुई थी। जांच में उक्त खाता म्यूल अकाउंट के रूप में प्रयुक्त किया।

लालच में खुलवाया म्युल अकाउंटः नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज शिकायत के अनुसार आरोपीगण के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 318(4) के अंतर्गत केस दर्ज कर मामला जांच में लिया। रतलाम पुलिस के पास मामला पहुंचने पर बैंक खाते की जांच कराई। खाता धारक प्रथम मित्तल को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की। खाताधारक प्रथम ने बताया कि उसने अपने दो साथियों हेमंत रायक उर्फ मोनू निवासी रुद्राक्ष कॉलोनी व शुभम रेडा निवासी निवासी नागरवास रतलाम के कहने पर कमीशन के लालच में म्युल अकाउंट खुलवाना स्वीकार किया। अमाणकचौक थाना पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ धारा 318(4) के अंतर्गत केस दर्ज कर गिरफ्तार किया। एसपी के अनुसार अन्य संलिप्त आरोपियों एवं नेटवर्क की कड़ियों की तलाश की जा रही है। अंतरराज्यीय साइबर फ्रॉड से मिली लिंक के आधार पर हर एक पहलुओं को जांच कर रहे है। क्या होता है म्यूल अकाउंटः ऐसे बैंक अकाउंट जिसका उपयोग अपराधियों द्वारा ऑनलाइन ठगी, साइबर जालसाजी एवं अन्य आर्थिक अपराधों में रुपयों के ट्रांजेक्शन को छिपाने के लिए किया जाता है। पूरे प्रकरण में माणकचौक थाना प्रभारी पातिराम डावरे, निरीक्षक अमित कोरी, सब इंस्पेक्टर जीवन बारिया, हेड कॉन्स्टेबल हिम्मत सिंह, कॉन्स्टेबल मोरसिंग डामोर एवं राहुल की भूमिका रही।

अज्ञात कॉल से रहे सावधानः एसपी अमित कुमार ने बताया रतलाम पुलिस द्वारा संदिग्ध बैंक खातों की लगातार निगरानी की जा रही है। NCRP एवं IyC पोर्टल के माध्यम से डेटा विश्लेषण एवं बैंकिंग संस्थाओं से समन्वय कर म्युल अकाउंट के विरुद्ध भी कड़ी कार्रवाई कर रहे है। किसी भी अज्ञात कॉल, विशेषकर 'डिजिटल अरेस्ट' या सरकारी अधिकारी बनकर मांगी गई जानकारी से सावधान रहें। इकिसी के कहने पर या किसी लालच में अपना बैंक अकाउंट से संबंधित दस्तावेज या जानकारी किसी को नहीं दे। किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर कॉल करें। साथ ही cybercrime.go1.in पर शिकायत दर्ज की जा सकती है।

बाइक को टक्कर मारने के बाद खाई में गिरा ऑटो

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले के सरई थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़का चौकी के गजरहिया गांव में एक ऑटो ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। तेज रफ्तार और लापरवाही के कारण हुए इस हादसे के बाद ऑटो चालक मौके से भागने की कोशिश करते हुए करीब 500 मीटर दूर खाई में जा गिरा। इस दुर्घटना में बाइक सवार आनंद गुप्ता, निवासी गन्नई, और बाइक पर सवार एक 10 वर्षीय बच्चे को मामूली चोटें आईं। हादसे के तुरंत बाद, परिजन दोनों घायलों को निजी अस्पताल ले गए, जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। बड़का चौकी प्रभारी नृपेंद्र

सिंह ने बताया कि ऑटो चालक को भी हल्की चोटें आई हैं। उन्होंने पुष्टि की कि प्राथमिक जांच में लापरवाही से वाहन चलाना सामने आया है। पुलिस ने ऑटो चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और ऑटो को जब्त कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, यह हादसा तेज रफ्तार और नियंत्रण खोने की वजह से हुआ। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

बहन से छेड़छाड़ का विरोध करने पर हमला

छतरपुर में युवक को हंसिया-पत्थरों से मारा सिर में गंभीर चोट, जिला अस्पताल रेफर

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के सटई थाना क्षेत्र अंतर्गत हिम्मतपुरा गांव में अपनी बहन से छेड़छाड़ का विरोध करने पर गांव के ही कुछ युवकों ने बब्लू अहिरवार नामक युवक पर हंसिया और पत्थरों से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में बब्लू के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। वर्तमान में घायल को नाजुक हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, वहीं पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज कर छेड़छाड़ के एंगल से भी जांच शुरू कर दी है।

समझाने पर भड़के आरोपी, हंसिया और पत्थरों से किया हमलात परिजनों के अनुसार, गांव के कुछ युवक लंबे समय से बब्लू की बहन को परेशान कर रहे थे और आए दिन छेड़छाड़ करते थे। परिवार ने पहले भी इस पर नाराजगी जताई थी। बताया जा रहा है कि जब बब्लू ने आरोपियों को समझाने की कोशिश की, तो वे भड़क गए। विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने हंसिया और पत्थरों से उस पर हमला कर दिया। इस हमले में बब्लू के सिर में गंभीर चोटें आईं और वह मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़ा। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में किया जिला अस्पताल रेफर घटना के बाद परिजनों ने घायल बब्लू को तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बब्लू फिलहाल जिला अस्पताल में भर्ती है और उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना के बाद पीड़ित पक्ष और ग्रामीणों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में इस तरह की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे लोगों में डर का माहौल बन रहा है। 1टीआई बोलीं- दोनों पक्षों पर दर्ज किया मारपीट का मामलात्न सटई थाना प्रभारी सुनीता बिंदुआ ने बताया कि, 'हिम्मतपुरा गांव में दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था, जिसमें दोनों पक्षों ने मारपीट की है। पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ मारपीट की धाराओं में मामला दर्ज किया है। छेड़छाड़ की बात सामने आई है और इस मामले में जांच जारी है। डॉक्टरी रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

5 रुपए किलो बिक रहा तरबूज-खरबूज

खरगोन में लागत भी नहीं निकाल पा रहे किसान; 15 हजार हेक्टेयर में लगी है फसल

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन जिले में मौसम के उतार-चढ़ाव और बाजार में मांग से अधिक आवक होने के कारण तरबूज और खरबूज के किसानों को भारी नुकसान हो रहा किसानों को अपनी उपज 5 रुपए प्रति किलोग्राम के भाव पर भी बेचना मुश्किल हो रहा है, जिसके चलते लागत न निकलने से परेशान किसान अब तरबूज का न्यूनतम भाव 10 रुपए प्रति किलोग्राम तय करने की मांग कर रहे हैं और फिलहाल माल केवल स्थानीय बाजारों में ही खप रहा है।

15 हजार हेक्टेयर में लगी फसल, इस बार दिल्ली नहीं जा रहा मालः खरगोन जिले की नर्मदा पट्टी में 15 हजार हेक्टेयर से अधिक रकबे में तरबूज और खरबूज की फसल लगाई गई है। कसरावद, बड़वाह, महेश्वर,

मंडलेश्वर, जामली, कुकडोल, सेल्दा, मांगरूल और नागझिरी जैसे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर इसकी खेती की जाती है। आमतौर पर नर्मदा क्षेत्र का तरबूज दिल्ली तक पहुंचता है, लेकिन इस बार बाजार में मांग से अधिक तरबूज की आवक होने के कारण केवल स्थानीय कारोबारी ही खरीदारी कर रहे हैं।

किसान बोले- बाहर ले जाना महंगा, इसलिए लोगों में बांटी फसलः मांगरूल के किसान कृष्णलाल कुशवाह ने बताया कि तरबूज को बाहर ले जाकर बेचना महंगा पड़ रहा है। उन्होंने अपनी लागत भी नहीं निकाल पाने के कारण फसल लोगों में बांट दी। वहीं, किसान अशोक पाटीदार ने बताया कि प्रति एकड़ फसल पर 25 हजार रुपए का खर्च आया है। थोक में 5 से 6 रुपए प्रति किलोग्राम के भाव पर लागत भी नहीं निकल पा रही है। उन्होंने मांग की कि तरबूज का न्यूनतम भाव 10 रुपए प्रति किलोग्राम तय किया जाना चाहिए।

15 अप्रैल के बाद तेज गर्मी पड़ने पर दाम बढ़ने की उम्मीदः किसानों का मानना है कि जल्दी लगाई गई फसल अगले 15 दिनों में खेतों से निकल जाएगी। अभी तक ज्यादा गर्मी नहीं पड़ी है, लेकिन 15 अप्रैल से तेज गर्मी पड़ने की संभावना है। गर्मी बढ़ने से तरबूज की मांग बढ़ेगी, जिससे इसके दाम भी बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

शादी की खरीदारी कर लौट रहे युवक की मौत

मीडिया ऑडीटर, दमोह (निप्र)। दमोह जिले की सिग्रामपुर चौकी के पास रविवार रात एक सड़क हादसे में 24 वर्षीय युवक की मौत हो गई। युवक सचिन झारिया अपनी शादी के लिए खरीदारी कर बाइक से घर लौट रहा था, तभी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी।

सिंगपुर-सलैया मार्ग पर भीषण भिड़ंतः ग्राम सुनवराह निवासी सचिन रविवार शाम कपड़े और अन्य सामान खरीदने सिंगपुर गांव गया था। वापसी के दौरान सिंगपुर और सलैया के बीच मुख्य मार्ग पर तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मारी, जिससे सचिन की मौके पर ही मौत हो गई।

30 अप्रैल को थी शादीः परिजनों ने बताया कि सचिन की शादी 30 अप्रैल को होने वाली

सचिन झारिया, मृतक

थी, जिसकी तैयारियां घर में चल रही थीं। घटना के बाद राहगीरों ने स्थानीय पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद सिग्रामपुर चौकी प्रभारी गणेश दुबे दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे।

अज्ञात वाहन पर केस दःर्ज पुलिस ने शव को एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। सोमवार दोपहर पंचनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

मैहर के सड़क हादसे में युवक की मौत

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर जिले के रामनगर थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। यह दुर्घटना पटना मोड़ देवरी के पास देर रात हुई, जब तेज रफ्तार बाइक (क्रमांक स्क्ष9,क्त9327) बिजली के खंभे से टकरा गई।गुलवार गुजारा निवासी 16 वर्षीय अमन रावत अपने दोस्त मनीष रावत के साथ बाइक से अपनी बुआ के घर जोबा बरा जा रहा था। बाइक मनीष चला रहा था। रविवार और सोमवार की रात करीब 12 बजे गोरसरी के आगे पटना मोड़ के पास यह हादसा हुआ।

सुबह पांच बजे आया साथी को होशः तेज गति और लापरवाही के कारण बाइक बेकाबू होकर सीधे बिजली के खंभे से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक बाइक समेत सड़क से नीचे खेत में जा गिरे और बेहोश हो गए। सुबह करीब 5 बजे अमन को होश आया। उसने अपने दोस्त मनीष को उठाने की कोशिश की, लेकिन मनीष रावत पिता बालकिशन रावत उम्र 21 साल निवासी गुलवार गुजारा के सिर और कान में गंभीर चोटें लगने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो चुकी थी। हादसे में अमन को भी कमर में चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर रामनगर अस्पताल के शव गृह में रखवाया।

वर्क फ्रॉम होम के नाम पर 3.36 लाख की ठगी

इटारसी पुलिस ने राजस्थान और नीमच से 3 आरोपी पकड़े

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। इटारसी थाना पुलिस ने 'वर्क फ्रॉम होम' के नाम पर ठगी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों ने एक महिला को होटल-रेस्टोरेंट रेटिंग का टास्क देकर 3 लाख 36 हजार 800 रुपए की धोखाधड़ी की थी। पुलिस के अनुसार, पुरानी इटारसी की वर्मा कॉलोनी निवासी रश्मि चौधरी ने 2 जनवरी 2026 को शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति ने व्हाट्सएप पर 'वर्क फ्रॉम होम' का लालच देकर उन्हें टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ा। शुरुआत में, महिला को छोटे-छोटे टास्क पूरे करने पर 1040, 3900 और 1350 रुपए मिले। इसके बाद, आरोपियों ने अधिक कमाई का

लालच देकर उनसे अलग-अलग किश्तों में कुल 3,36,800 रुपए जमा करा लिए और ठगी को अंजाम दिया। शिकायत के आधार पर, थाना इटारसी में अपराध क्रमांक 09/2026, धारा 318(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

इन्हें किया गिरफ्तारः विवेचना के दौरान, साइबर सेल नर्मदापुरम की सहायता से पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनमें राजस्थान के बीकानेर निवासी एहसान अली उर्फ प्रिंस (28) और मध्य प्रदेश के नीमच निवासी मोहम्मद फरहान (19) तथा मुसरफ (22) शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से ठगी की गई राशि और मोबाइल फोन जब्त किए हैं। आरोपियों ने मोबाइल फोन के माध्यम से ही महिला से संपर्क कर इस धोखाधड़ी को अंजाम दिया था। इस कार्रवाई में थाना इटारसी के निरीक्षक गौरव सिंह बुंदेला, एसआई प्रवीण कुमार यादव, आरक्षक राजकुमार, धर्मेंद्र, बसंत और साइबर सेल नर्मदापुरम के आरक्षक जितेंद्र शेषकर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आईपीएल

कोहली ने बाबर-गेल का रिकॉर्ड तोड़ा

● रोहित ने मुंबई के लिए 6 हजार रन पूरे किए ● पाटीदार की RCB के लिए सेकेंड फास्टेस्ट फिफ्टी

मुंबई, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने IPL 2026 के 20वें मैच में मुंबई इंडियंस को 18 रन से हराया। वानखेड़े स्टेडियम में रविवार को विराट कोहली टी-20 में सबसे ज्यादा शतकीय साझेदारियां करने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने बाबर आजम और क्रिस गेल को पीछे छोड़ा।

मैच में रोहित शर्मा ने भी खास उपलब्धि हासिल की। उन्होंने मुंबई इंडियंस के लिए 6000 रन पूरे किए। रजत पाटीदार ने 17 गेंदों में फिफ्टी लगाकर RCB के लिए दूसरा सबसे तेज अर्धशतक बनाया और गेल की बराबरी की।

RCB ने IPL 2026 में लगातार चौथी बार 200+ स्कोर बनाया। लगातार सबसे ज्यादा 200+ स्कोर का रिकॉर्ड सनराइजर्स हैदराबाद (5 बार,

2025-26) के नाम है। पंजाब किंग्स (2023) और बेंगलुरु (2024) ने 4-4 बार यह किया था।

पाटीदार ने क्रिस गेल की बराबरी की

रजत पाटीदार ने 17 गेंदों में फिफ्टी लगाकर RCB के लिए दूसरा सबसे तेज अर्धशतक बनाया। उन्होंने क्रिस गेल की बराबरी की, जिन्होंने 2013 में 17 गेंदों में फिफ्टी लगाई थी।

कोहली ने मुंबई के खिलाफ 7वां 50+ स्कोर बनाया

विराट कोहली ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ सातवां 50+ स्कोर बनाकर सुरेश रैना और डेविड वॉर्नर की बराबरी की। इस लिस्ट में टॉप पर केएल राहुल हैं, जिनके नाम 9 स्कोर हैं। कोहली ने वानखेड़े में अपने टी-20 करियर का 9वां 50+ स्कोर 23 मैचों में पूरा किया।

रोहित ने मुंबई के लिए 6 हजार रन पूरे किए

रोहित शर्मा ने मुंबई इंडियंस के लिए 6000 रन पूरे किए। इस लिस्ट में टॉप पर विराट कोहली हैं, जिन्होंने RCB के लिए 8800+ रन बनाए हैं।

कोहली ने 47वीं बार शतकीय साझेदारी की

विराट कोहली टी-20 में सबसे ज्यादा शतकीय साझेदारियां करने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने पहले विकेट के लिए फिल सॉल्ट के साथ 120 रन जोड़े।

बार्सिलोना ने डर्बी में शानदार जीत के साथ खिताब पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली

चंडीगढ़, एजेंसी। एफसी बार्सिलोना ने आरसीडी एस्पेनयोल पर 4-1 से जीत हासिल करके ला लीगा खिताब की दौड़ में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। प्रतिद्वंद्वी रियल मैड्रिड की हार का फायदा उठाते हुए उन्होंने शेष सात मैचों में नौ अंकों की बढ़त बना ली है।

मैच का नतीजा काफी हद तक पहले हाफ में ही तय हो गया, जिसमें बार्सिलोना ने गेंद पर पूरा नियंत्रण रखा और खेल की गति को भी बरकरार रखा। फेरान टोरेस ने शुरुआती बढ़त बना ली, जब एक कॉर्नर किक से एस्पेनयोल के डिफेंस में अफरा-तफरी मच गई और उन्होंने 10 मिनट के अंदर ही हेडर से पहला गोल दाग दिया। उन्होंने हाफ के बीच में ही बढ़त को दोगुना कर दिया, जब लामिन यामल के शानदार पास पर उन्होंने शांति से गोल दागा। यामल एक बार फिर बार्सिलोना के आक्रमण में अहम भूमिका निभा रहे थे।

बार्सिलोना की रणनीति ने उन्हें मैदान पर दबदबा बनाए रखने में मदद की, जिसमें यामल मुख्य रचनात्मक खिलाड़ी के रूप में उभरे और बार-बार डिफेंस लाइन के बीच खाली जगह बनाकर एस्पेनयोल के रक्षात्मक घेरे को तोड़ते रहे। हालांकि, ब्रेक के बाद खेल का रुख कुछ देर के लिए बदल गया।

पोल लोज़ानो ने पेनल्टी एरिया के किनारे से शानदार शॉट लगाकर गोल का अंतर कम किया, जिससे बार्सिलोना की खेल शैली में आई क्षणिक कमी उजागर हुई। कुछ समय के लिए एस्पेनयोल ने मुकाबले को प्रतिस्पर्धी बनाने की कोशिश की और गोलकीपर जोन गार्सिया को बढ़त बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण बचाव करने पड़े।

बार्सिलोना ने आक्रामक रुख अपनाते हुए जवाब दिया। यामल ने एक बार फिर निर्णायक भूमिका निभाई, मैच के अंत में मिले एक शानदार पास पर तेजी से दौड़कर गोल किया और लगभग मैच का अंत कर दिया। इसके तुरंत बाद, फ्रेंकी डी जोंग ने चोट से वापसी करते हुए एक बेहतरीन असिस्ट दिया, उन्होंने पास देने में थोड़ा समय लिया और फिर मार्कस रैशफोर्ड को चौथा गोल करने में मदद की।

बार्सिलोना ने नियंत्रण और दक्षता का बेहतरीन तालमेल बिठाया। उन्होंने उच्च गुणवत्ता वाले मौके बनाए, शुरुआती क्षणों में महत्वपूर्ण गोल दागे और दूसरे हाफ में थोड़े समय के लिए खेल में आई गिरावट के बावजूद मैच को नियंत्रित रखा।

पंजाब के संदीप ने बाधाओं को पार करते हुए एशियाई कुश्ती में रजत पदक जीता

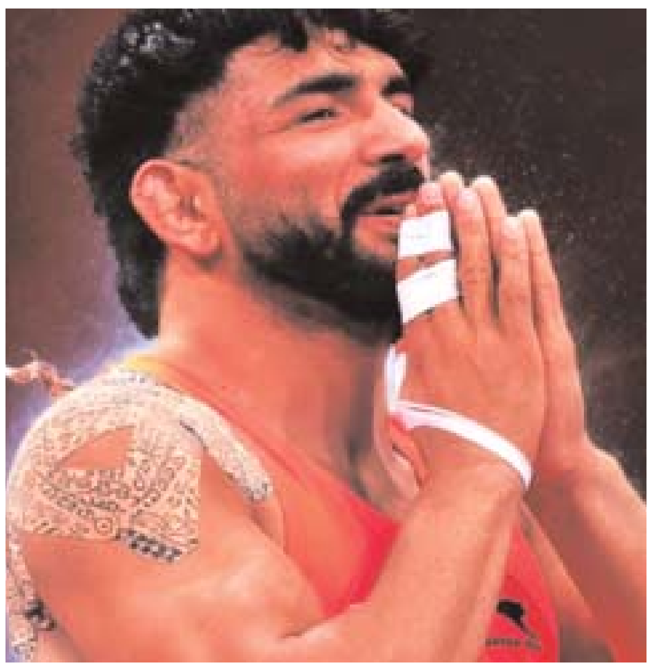

बठिंडा, एजेंसी। पंजाब और देश के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण में, पहलवान संदीप सिंह मान (चित्र में) ने एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में 79 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग के फाइनल में हारने के बावजूद रजत पदक जीता, जिससे वरिष्ठ स्तर के एशियाई फाइनल में पहुंचने वाले पंजाब के किसी एथलीट का 22 साल का लंबा इंतजार समाप्त हो गया।

जापान के कीवन घरेहदाघी के खिलाफ 2-1 से करीबी हार के बाद संदीप फाइनल में जगह बनाने से चूक गए। सेमीफाइनल में ताजिकिस्तान के सोमनजोन इक्रोमोव पर शानदार जीत के बाद वह फाइनल में पहुंचे थे।

संदीप मानसा जिले के बुर्ज राठी गांव के रहने वाले हैं और एक साधारण किसान परिवार से आते हैं। उनके पिता सागर सिंह के पास लगभग चार एकड़ जमीन है। सीमित संसाधनों के बावजूद, संदीप के कुश्ती के प्रति जुनून और समर्पण ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय सफलता दिलाई है।

संदीप ने पंजाब भर के अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त किया है, जिनमें बठिंडा के भगता भाई का गांव स्थित मालवा कुश्ती क्लब में सुखमंदर सिंह और खन्ना में मुकेश कुमार शामिल हैं। कुश्ती में उनकी रुचि बचपन से ही विकसित हुई थी।

संदीप फिलहाल लखनऊ में भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के शिविर में प्रशिक्षण ले रहे हैं और उन्हें राष्ट्रीय स्तर की सुनियोजित तैयारी का लाभ मिल रहा है। सूत्रों के अनुसार, बठिंडा में कुश्ती कोच के रूप में अपने विभागीय कार्य के कारण उन्हें लचीलापन मिला है।

पारिवारिक सूत्रों से पता चला है कि संदीप का पालन-पोषण उसके विस्तारित परिवार, विशेषकर उसके चाचा के भरपूर सहयोग से हुआ, जिन्होंने उसकी परवरिश में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उसकी एक बहन है।

पंजाब कुश्ती संघ के महासचिव शाहबाज सिंह ने कहा, इससे पहले, पलविंदर सिंह चीमा ने पुरुषों की सीनियर श्रेणी में प्रतिस्पर्धा की थी।

स्वप्निल असनोदकर ने पहले सीजन में 311 रन बनाए: 10 हजार रन बनाने वाले गोवा के पहले क्रिकेटर

दिल्ली, एजेंसी। जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पंड्या, रवींद्र जडेजा और सूर्यकुमार यादव ऐसे नाम हैं, जो आईपीएल में चमके और भारतीय टीम में जगह बनाई। लेकिन कुछ खिलाड़ी ऐसे भी रहे, जिन्हें फैंस धीरे-धीरे भूल गए।आईपीएल के अनसंग हीरोज सीरीज में ऐसे ही क्रिकेटर्स की स्टोरी पढ़िए ।

पहला नाम गोवा के स्वप्निल असनोदकर का है। स्वप्निल 2008 में पहला टाइटल जीतने वाली राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा रहे। उन्हें पहले ही मैच में प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। स्वप्निल ने कोलकाता के खिलाफ 34 गेंदों पर 60 रन बनाए, जिसमें 10 चौके और 1 सिक्स शामिल था। स्वप्निल ने उस सीजन के 9 मैचों में 311 रन बनाए और टीम को चैंपियन बनाया। वे वर्तमान में केरल की अंडर-23 टीम के मुख्य

कोच हैं।

गोवा में फुटबॉल का माहौल, पर क्रिकेट का भूत सवार था

स्वप्निल गोवा से हैं, जहां फुटबॉल सबसे लोकप्रिय खेल है। उनके पिता और चाचा क्लब लेवल पर फुटबॉल और क्रिकेट खेलते थे। स्वप्निल ने बताया- मेरे परिवार में पांचों भाई स्पोर्ट्स में थे। बुआ स्टेट लेवल एथलीट थीं। घर में खेल का माहौल बचपन से ही था।

स्वप्निल ने बताया- मैंने टेनिस बॉल से गली क्रिकेट शुरू किया और वहीं से क्रिकेट का भूत सवार हो गया। 9वीं क्लास में लगातार तीन मैचों में तीन शतक लगाए, तब लगा कि मैं लेदर बॉल से खेल सकता हूं। पिता ने कोचिंग कैंप भेजा और वहीं से करियर बदल गया।

मैच से 4 घंटे पहले शेन वॉर्न ने कहा- 'तुम यह मैच खेल रहे हो'

2008 के पहले सीजन को याद करते हुए स्वप्निल ने बताया कि शुरुआती चार मैचों में मौका नहीं मिला था। लेकिन शेन वॉर्न ने कहा था- कभी न कभी मौका आएगा, तैयार रहना।

1 मई 2008 को चयक्र के खिलाफ दोपहर 12 बजे मीटिंग थी। वॉर्न ने अचानक कहा- यू आर प्लेइंग टुडे।

मैं पहले से बाउंसर फेंकने की योजना नहीं बनाता, लेकिन बल्लेबाजों से एक कदम आगे रहना चाहता हूं: क्रुणाल पंड्या

मुंबई, एजेंसी।रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर क्रुणाल पंड्या का कहना है कि वह अपनी बाउंसर गेंद फेंकने की पहले से योजना नहीं बनाते हैं, बल्कि बल्लेबाजों से एक कदम आगे रहने के लिए अपनी सहज भावना के अनुसार गेंद का इस्तेमाल करते हैं।

क्रुणाल की गेंदबाजी बेहद साधारण रही, जिसमें उन्होंने 4-0-26-1 का स्कोर बनाया, लेकिन रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबले में आरसीबी ने मुंबई इंडियंस को 18 रनों से हरा दिया। आरसीबी के विशाल 240 रन (चार विकेट पर) के जवाब में मुंबई इंडियंस 222 रन (पांच विकेट पर) ही बना सकी।

मैंने कभी भी अलग-अलग और नई चीजें आजमाने से परहेज नहीं किया है क्योंकि इम्पैक्ट प्लेयर नियम के तहत, पहले नंबर 6 या 7 पर ऑलराउंडर होते

थे और बल्लेबाजी का तरीका काफी अलग था। लेकिन अब नंबर 8 पर विशुद्ध बल्लेबाज आ रहे हैं, क्रुणाल ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा।

और कौशल की बात करें तो, मुकुल (चौधरी) और वैभव (सूर्यवंशी) जैसे युवा खिलाड़ी पहली ही गेंद से लगातार अच्छे शॉट लगा रहे हैं। एक गेंदबाज के तौर पर, मैं कौशल और मानसिक रूप से भी उनसे एक कदम आगे रहना चाहता हूं।

मुझे खुशी है कि यह अच्छा चल रहा है और मुझे उम्मीद है कि इस प्रारूप में कुछ फिंगर स्पिनर टिक पाएंगे और इससे कुछ सीख लेकर अच्छा प्रदर्शन कर पाएंगे। क्योंकि सपाट पिचों और आठ बल्लेबाजों के साथ फिंगर स्पिनरों के लिए खेलना बहुत मुश्किल हो गया है, क्रुणाल ने कहा।

क्रुणाल ने कहा कि वह अपनी सरप्राइज शॉर्ट क्विक बॉल (जिसे बल्लेबाज अक्सर छोड़ देते हैं) के साथ बहुत ज्यादा तैयारी नहीं करते हैं और न ही उनका उपयोग करने की कोई विशिष्ट योजना है।

उन्होंने कहा, मैं अपने अंतर्ज्ञान का पालन करता हूं। मैं पहले से यह योजना नहीं बनाता कि मुझे चौथी, पांचवीं या छठी गेंद बाउंसर के रूप में फेंकनी है। कई बार ऐसा होता है कि मैं लगातार दो बाउंसर फेंकता हूं और अचानक पहली और छठी गेंद भी बाउंसर के रूप में फेंक देता हूं।

सचिन बैसोया के नेतृत्व वाली फीनिक्स हैदराबाद ने लिएंडर पेस द्वारा आयोजित आईजीपीएल इनविटेशनल 2026 मॉरीशस में टीम स्पर्धा में जीत हासिल की

पोर्ट लुइस, एजेंसी। फीनिक्स हैदराबाद ने आईजीपीएल की टीम प्रतियोगिता में शुरुआती बढ़त हासिल कर ली है, क्योंकि उन्होंने अनाहिता गोल्फ कोर्स में लिएंडर पेस द्वारा आयोजित आईजीपीएल इनविटेशनल 2026 में टीम खिताब जीता है।

फीनिक्स को सचिन बैसोया के शानदार फॉर्म से काफी मदद मिली, जिन्होंने आईजीपीएल में अपनी पहली जीत दर्ज की। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 30 वर्षीय बैसोया ने तीन दिनों में 67, 71 और 67 रन बनाकर अपनी टीम को मुंबई की अत्री और आरवीआर दिल्ली से आगे शीर्ष स्थान पर पहुंचाया।

व्यक्तिगत स्ट्रोक प्ले का खिताब फीनिक्स के स्टार सचिन बैसोया को मिला, जबकि गोल्फकनेक्ट बैंगलोर के लिए खेलने वाले किशोर वीर गणपति दूसरे स्थान पर रहे और उनकी टीम नौवें स्थान पर रही।

फीनिक्स ने तीनों दिन में कुल 14 अंडर का स्कोर बनाया और अत्री की टीम को पीछे छोड़ दिया, जिसका कुल स्कोर 13 अंडर था। आरवीआर दिल्ली का कुल स्कोर 12 अंडर रहा।

अंकों के हिसाब से, फीनिक्स ने 100 अंक, एट्री ने 90 अंक और आरवीआर ने 80 अंक अर्जित किए। आईजीपीएल इनविटेशनल के सभी अंकों को सीजन के अंत में जोड़कर टीम चैंपियन का फैसला किया जाएगा। एएम ग्रीन आईजीपीएल के सभी इवेंट में टीम प्रतियोगिता होगी।

फीनिक्स फोरसम में बैसोया, राघव चुघ, रंजीत सिंह और अर्जुन भाटी थे, जबकि अत्री टीम के सदस्य ओलंपियन उदयन माने, विपुल अमन राज, आदिल बेदी और तुषार पन्नू थे, जबकि दिल्ली टीम में शिव कपूर, चिराग कुमार, आर्यन रूपा आनंद और गौरव घी थे।

टीम प्रारूप में, प्रत्येक टीम के दो सर्वश्रेष्ठ स्कोर को टीम स्कोर में गिना जाता था।

जैसा कि उम्मीद थी, बैसोया फीनिक्स के मुख्य आधार थे, और उन्हें राघव चुघ का भरपूर समर्थन मिला, जो हर दिन दूसरे सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी साबित हुए।

अत्री के लिए, अमन ही मुख्य आधार था, जिसके स्कोर को प्रतिदिन गिना जाता था, साथ ही अमन और उद्यान के प्रयासों को भी। आरवीआर के मामले में, चारों खिलाड़ियों का योगदान था।

पहले दिन मतगणना में आर्यन, रूपा आनंद और शिव कपूर ने अच्छा प्रदर्शन किया, जबकि अगले दिन आर्यन और गौरव घेई ने और अंतिम दिन कपूर और चिराग कुमार ने अच्छा प्रदर्शन किया।

यह पहली बार है जब स्ट्रोक प्ले प्रतियोगिता में टीम प्रतियोगिता को शामिल किया गया है, क्योंकि महीने की शुरुआत में आयोजित नीलामी में विभिन्न टीमों द्वारा 40 खिलाड़ियों का चयन किया गया था।

डेटा शॉर्ट्स: प्रसिद्ध की मध्य ओवरों की महारत एक बार फिर देखने को मिली

मुंबई, एजेंसी।उन्होंने आईपीएल 2025 में पर्पल कैप जीता था और 2026 में भी वे इस दौड़ में सबसे आगे हैं। हालांकि, अतीत में शीर्ष पर रहने वाले तेज गेंदबाजों के विपरीत, प्रसिद्ध कृष्णा की अधिकांश सफलता मध्य ओवरों में मिली है - जो टी20 में विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों के लिए एक दुर्लभ पहलू है। रविवार को लखनऊ में उन्होंने इसे एक बार फिर बखूबी प्रदर्शित किया, जिससे गुजरात टाइटन्स को इस सीजन की दूसरी जीत मिली।

छह ओवरों के बाद एलएसजी 60/2 के स्कोर पर अच्छी स्थिति में थी, जिसमें एडन मार्कराम अपनी बेहतरीन लय में थे, लेकिन तभी प्रसिद्ध ने निर्णायक हस्तक्षेप किया। लंबे कद के इस तेज गेंदबाज ने सातवें ओवर में गेंदबाजी शुरू करते हुए अपनी स्वाभाविक हार्ड लेंथ पर ही गेंदबाजी जारी रखी। मार्कराम ने दो चौके लगाए, लेकिन तीसरे चौके के प्रयास में गलत टाइमिंग के चलते कैच आउट हो गए। अगले ओवर में एक और बाउंसर ने आयुष बदोनी को आउट कर दिया, और दूसरे छोर से राशिद खान की सटीक गेंदबाजी ने मेजबान टीम की प्रगति को धीमा करने में योगदान दिया।

बुमराह का विकेट न मिलना, गेंदबाजों का समर्थन न मिलना एमआई की गेंदबाजी की मुश्किलें लगातार जारी हैं

मुंबई, एजेंसी। मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मैच से ठीक पहले, कीरोन पोलार्ड को पूरा भरोसा था कि जसप्रीत बुमराह अपनी पुरानी लय में लौट आएंगे। उन्होंने कहा, हमारे लिए सबसे जरूरी है एकजुट होकर खेलना और अंत में मनचाहा नतीजा हासिल करना। नहीं तो, हम अलग-अलग बातों में उलझ जाते हैं और बेबुनियाद बातें गढ़ने लगते हैं। हमारे लिए, वह बिल्कुल ठीक हैं= फिट हैं, शानदार फॉर्म में हैं। और आपकी भलाई के लिए, मुझे उम्मीद है कि वह कल पांच विकेट लेंगे।

मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच की यह ख्वाहिशें बेकार साबित हुईं, क्योंकि बुमराह का खराब प्रदर्शन जारी रहा। उन्होंने 35 रन देकर 0 विकेट लिए और मुंबई इंडियंस को वानखेड़े स्टेडियम में घरेलू मैदान पर मेहमान टीम से करारी हार का सामना करना पड़ा।

बुमराह लगातार पांच आईपीएल मैचों में विकेट लेने में नाकाम रहे हैं, जिनमें 122 गेंदें शामिल हैं, और इस सीजन में अभी तक उन्होंने अपना

खाता नहीं खोला है। मोहम्मद शमी, बृजेश शर्मा और लुंगी एनगिडी समेत कम से कम पांच गेंदबाज ऐसे हैं जिनकी इकॉनमी रेट एमआई के इस मुख्य गेंदबाज से बेहतर है।

मुंबई इंडियंस के लिए समस्या बुमराह की फॉर्म नहीं है। भले ही उन्हें विकेट न मिले हों, लेकिन वह इस सीजन में टीम के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे हैं - और रविवार रात को भी यही साबित हुआ। आरसीबी ने 12 रन प्रति ओवर की दर से 240 रन बनाकर लगभग अजेय स्कोर खड़ा कर दिया, लेकिन बुमराह ने 8.75 की इकॉनमी रेट से गेंदबाजी की, जो मुंबई इंडियंस के गेंदबाजों में सर्वश्रेष्ठ रही।

असली चिंता दूसरे छोर से समर्थन की कमी रही है। ट्रेंट बोल्ट, जिन्होंने 12 सीज़न में 123 मैच खेलकर 146 विकेट लिए हैं, अब तक सिर्फ एक विकेट ही ले पाए हैं। पहले ओवर में शानदार गेंदबाजी और विकेट लेने के विशेषज्ञ के रूप में मशहूर बोल्ट अभी तक अपना खास प्रभाव नहीं दिखा पाए हैं।

विकेट न मिलने के लिए बुमराह को दोष देना अनुचित होगा। यह एक टीम गेम है, और टी20 क्रिकेट में लगातार दबाव बनाने से ही विकेट मिलते हैं। अगर आप क्रुणाल पंड्या (1 विकेट 26 रन देकर) और सुयश शर्मा (2 विकेट 47 रन देकर) को देखें, तो उन्होंने विकेट इसलिए लिए क्योंकि दूसरे छोर पर भुवनेश्वर कुमार का दबाव बना हुआ था।

मैहर के अमगार में खनन पर सवाल, पर्यावरण और आदिवासी जीवन पर बढ़ते असर को लेकर ग्रामीणों की हस्तक्षेप की मांग

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मध्य प्रदेश के जिले के भदनपुर दक्षिण पट्टी स्थित आदिवासी गांव अमगार में खनन गतिविधियों को लेकर स्थानीय लोगों ने गंभीर आपत्ति जताई है। ग्रामीणों का कहना है कि खनन कार्य के कारण पर्यावरण और उनके पारंपरिक जीवनशैली पर बुरा असर पड़ रहा है पहले जहां हरियाली और स्वच्छ वातावरण था, अब वहां धूल, शोर और भारी वाहनों की आवाजाही ने हालात को बदल दिया है। यह खनन कार्य सीमेंट उत्पादन के लिए आवश्यक चूना पत्थर से जुड़ा हुआ है। ग्रामीणों के मुताबिक, 2021 में आयोजित लोक सुनवाई के दौरान संबंधित कंपनी द्वारा कई वादे किए गए थे, जैसे रोजगार, वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण, लेकिन इन वादों का जमीनी स्तर पर पालन नहीं हुआ। लोगों का आरोप है कि खनन के कारण गांव के आसपास

की हवा में प्रदूषण बढ़ गया है, साथ ही ओवरलोड ट्रकों के चलते सड़कें भी खस्ताहाल हो गई हैं। गांव के एक निवासी ने कहा, 'पहले हम जंगलों और प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर थे, लेकिन अब खनन के कारण हमारे संसाधन समाप्त हो रहे हैं। धूल और शोर के कारण हमारे पारंपरिक जीवन में गहरा असर पड़ा है।' उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रशासन की ओर से कई बार शिकायत करने के बावजूद ठोस कार्रवाई नहीं की गई है, और प्रभावशाली लोगों के कारण निष्पक्ष जांच भी संभव नहीं हो पा रही है। स्थानीय लोग चाहते हैं कि प्रशासन और जनप्रतिनिधि इस मामले में निष्पक्ष जांच कराएं और पर्यावरण तथा स्थानीय समुदाय के हितों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाएं। ग्रामीणों का कहना है कि यह खनन कार्य उनके जीवन और स्वास्थ्य के लिए खतरे का कारण बन सकता है, और इसलिए इसे रोकने या नियंत्रित करने की जरूरत है। हालांकि, इस मामले में संबंधित कंपनी या प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। ग्रामीणों ने अपील की है कि उनकी समस्याओं का समाधान शीघ्र किया जाए और उनके इलाके के पर्यावरण और पारंपरिक जीवन को बचाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं।

पुस्तक-गणवेश मेला शुरू, तीन दिन चलेगा एचपीवी टीकाकरण वाली छात्राओं को मिल रही विशेष छूट

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शिक्षा को अधिक सुलभ और किफायती बनाने के उद्देश्य से सतना जिला प्रशासन के निर्देश पर सोमवार से जिला स्तरीय तीन दिवसीय पुस्तक एवं गणवेश मेले का शुभारंभ किया गया। यह मेला शासकीय व्यंकट क्रमांक-2 परिसर में आयोजित किया जा रहा है, जो 15 अप्रैल तक चलेगा। मेले का औपचारिक उद्घाटन सोहावल की विकासखंड शिक्षा अधिकारी आयुषी अग्रवाल ने किया इस अवसर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी मेले का आयोजन अभिभावकों और विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए किया गया है इसका उद्देश्य उन्हें एक ही स्थान पर कॉपियां, किताबें स्कूल यूनिफॉर्म, बैग एवं अन्य आवश्यक शिक्षण सामग्री उचित दामों पर उपलब्ध कराना है मेले में जिले के कई प्रतिष्ठित दुकानदारों द्वारा स्टॉल लगाए गए हैं, जिससे प्रतिस्पर्धी दरों पर सामग्री उपलब्ध हो रही है मेले की खास बात यह है कि यहां बाजार की तुलना में अधिक छूट दी जा रही है। जहां सामान्य बाजार में किताबों पर लगभग 10 प्रतिशत तक छूट मिलती है, वहीं मेले में 15 से 20 प्रतिशत तक की छूट उपलब्ध है। इसके अलावा कॉपियों पर भी आकर्षक डिस्काउंट दिए जा रहे हैं जिससे अभिभावकों को काफी राहत मिल रही है एक विशेष पहल के तहत, एचपीवी टीकाकरण कराने वाली बालिकाओं के लिए अतिरिक्त ऑफर भी रखा गया है इस कदम से स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है मेले में बड़ी संख्या में अभिभावक और विद्यार्थी पहुंचकर खरीदारी कर रहे हैं जिला प्रशासन ने अधिक से अधिक लोगों से मेले का लाभ उठाने की अपील की है, ताकि शिक्षा संबंधी आवश्यक सामग्री किफायती दरों पर प्राप्त की जा सके।

सेल की 153 करोड़ की जमीन पर कब्जे का प्रयास, बिना कार्रवाई लौटी पुलिस

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के बाबूपुर में रविवार देर रात आदतन अपराधी बालगोविंद चौधरी के नेतृत्व में 50 से अधिक लोगों ने स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की 153 करोड़ रुपए कीमत वाली जमीन पर डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित कर अवैध कब्जा करने का प्रयास किया स्टे आदेश के बावजूद भूमाफिया इस 34 एकड़ 89 डिसमिल विवादित जमीन को हथियाने की कोशिश कर रहे थे वर्तमान में स्थानीय लोगों की सूचना पर डायल 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी लेकिन वह बिना कोई ठोस कार्रवाई किए ही वापस लौट गई स्टे के बावजूद 50 से अधिक लोगों के साथ पहुंचा अपराधी घटना रविवार देर रात की है जब आदतन अपराधी बालगोविंद चौधरी 50 से अधिक लोगों के साथ सेल की 34 एकड़ 89 डिसमिल विवादित जमीन पर जमा हुआ। इस जमीन की अनुमानित कीमत करीब 153 करोड़ रुपए बताई जा रही है इन लोगों ने स्टे आदेश के बावजूद बाबा साहेब की प्रतिमा स्थापित करने का प्रयास किया जिसे जमीन कब्जाने की सुनियोजित रणनीति माना जा रहा है। आरोपियों ने धार्मिक और सामाजिक भावनाओं का सहारा लेकर प्रशासन पर दबाव बनाने का प्रयास किया है 5 जनवरी को भी हुई थी कोशिश अब पुलिस बिना कार्रवाई लौटी स्थानीय लोगों द्वारा सूचना दिए जाने के बाद डायल 112 की टीम घटनास्थल पर पहुंची थी। टीम ने मौके पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की और वापस लौट गई।

आग लगने से गेहूं की बर्बाद हुई फसल का मुआवजा तत्काल दे सरकार : संतोष पाण्डेय

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले में पिछले कई दिनों से बिजली विभाग की लापरवाही के कारण किसानों के खेतों में आग लग रही है, जिससे गेहूं की फसल जलकर राख हो रही है रैगांव विधानसभा के ग्राम करसरा में लगभग 10 एकड़, सिंहपुर के पास ग्राम बेलगहना में लगभग 30 एकड़ और रामपुर विधानसभा के ग्राम सतरी में 10 एकड़ से अधिक फसल जल चुकी है इसके साथ ही चित्रकूट विधानसभा के मझगवां तहसील के ग्राम देवरा में भी गेहूं की फसल बर्बाद हो गई है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष संतोष पाण्डेय एक डेलिगेशन के साथ अपर कलेक्टर सतना से मिले और जिले में आगजनी से प्रभावित किसानों की फसल के बारे में चिंता व्यक्त की। उन्होंने जिला कलेक्टर के नाम एक ज्ञापन सौंपते हुए मांग की कि बिजली विभाग की लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई की जाए और दोषी कर्मचारियों को दंडित किया जाए। साथ ही किसानों के खेतों में जल चुकी गेहूं की फसल का तत्काल सर्वे कराकर प्रति एकड़ 40,000 रुपये का मुआवजा दिया जाए संतोष पाण्डेय ने कहा कि जिले का किसान पहले ही आर्थिक तंगी से जूझ रहा है, और अब उसकी फसल के जल जाने से उसकी स्थिति और भी दयनीय हो गई है उन्होंने सरकार से किसानों को शीघ्र आर्थिक सहायता प्रदान करने की अपील की इस डेलिगेशन में प्रमुख रूप से प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव राजभान सिंह स्वर्णकार, प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष राम मनोहर सोनी, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के शहर अध्यक्ष साबिर खान, जिला उपाध्यक्ष विजय सिंह परिहार, आर. बी. पाण्डेय, अशोक शर्मा, नरेश शर्मा, बिज्ञान सिंह, धीरज त्रिपाठी, रूपेश बागरी, नरेंद्र रैकवार, सोनू सोमेश मिश्रा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

खेत में बने कुएं में गिरी निराश्रित गाय, आशुतोष द्विवेदी सेवा संस्थान के सदस्यों ने रेस्क्यू कर बचाए प्राण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राम वन गमन पथ मार्ग के समीप ग्राम पंचायत बरहा के नौगवां गांव में एक निराश्रित गाय खेत में बने कुएं में गिर गई गाय की तड़पते हुए स्थिति को देख गांव के चरवाहों ने तुरंत जानकारी दी और आशुतोष गौ अभ्यारण के संरक्षक उद्योगपति गुलाब शुक्ला से संपर्क किया गुलाब शुक्ला ने बिना समय गंवाए आशुतोष द्विवेदी सेवा संस्थान के कार्यकर्ताओं मनीष मिश्रा मंटी एवं अन्य सदस्यों को घटनास्थल पर भेजा। ग्रामवासियों और संस्थान के कार्यकर्ताओं ने मिलकर गाय को कुएं से सुरक्षित बाहर निकाला और उसकी जान बचाई। इस रेस्क्यू ऑपरेशन में मनीष मिश्रा मंटी, राजनारायण मिश्रा, रजनीश मिश्रा, कमलेश मिश्रा, राकेश मिश्रा, प्रकाश मिश्रा, रामनरेश द्विवेदी, मोहित द्विवेदी, रामरचित मिश्रा, विशाल मिश्रा, सचिन मिश्रा, रामकुशल यादव, शिवधनी यादव, रामधनी यादव, भैयालाल विश्वकर्मा, प्रकाश विश्वकर्मा, लालूप्रसाद यादव और संताराम यादव जैसे युवा सदस्य प्रमुख रूप से शामिल रहे। गुलाब शुक्ला ने इस साहसिक कार्य के लिए सभी युवा कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया और साथ ही उनके द्वारा की गई इस सराहनीय पहल को मान्यता देने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि संस्थान इस प्रयास को सम्मानित करने का कार्य करेगा ताकि अन्य लोग भी इस तरह के मानवीय कार्यों से प्रेरित हों और निराश्रित गौ वंश की मदद के लिए आगे आएं।

मैहर के देवराजनगर में ग्रामीणों को मिलने लगा पेयजल

बिजली विभाग ने काटी थी लाइन, 22 लाख का बिजली बिल है बकाया

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर जिले के रामनगर विकासखंड स्थित देवराजनगर ग्राम पंचायत में लंबे समय से चला आ रहा जल संकट अब समाप्त हो गया है। बिजली बिल बकाया होने के कारण बंद पड़ी नल-जल योजना को फिर से शुरू कर दिया गया है, जिससे करीब 6000 ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है जानकारी के अनुसार देवराजनगर पंचायत पर लगभग 22 लाख रुपए का बिजली बिल बकाया था इसी वजह से बिजली विभाग ने नल-जल योजना का कनेक्शन काट दिया था। कनेक्शन कटने के कारण पूरे गांव में पेयजल संकट गहरा गया था और ग्रामीणों को पानी के लिए भटकना पड़ रहा था इस खबर को ने भी सबसे पहले

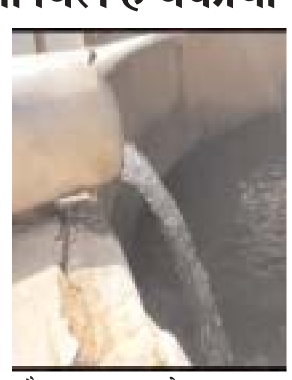

दिखाया था मामले के संज्ञान में आने के बाद प्रशासन हरकत में आया अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बिजली कनेक्शन बहाल कराया कनेक्शन जुड़ते ही नल-जल योजना पुनः शुरू हो गई और गांव में जल आपूर्ति सामान्य हो गई करीब छह दिनों तक चली इस समस्या के बाद अब स्थिति पूरी तरह सामान्य है जनपद सीईओ भारती दीक्षित ने बताया कि पंचायत पर 22 लाख रुपये का बिजली बिल बकाया था जिसके कारण कनेक्शन काटा गया था इससे बड़ी आबादी प्रभावित हो रही थी इस स्थिति को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर बिजली आपूर्ति बहाल कराई गई उन्होंने पुष्टि की कि अब गांव में पानी की कोई समस्या नहीं है और नल-जल योजना सुचारु रूप से संचालित हो रही है। जल आपूर्ति बहाल होने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है और प्रशासन के त्वरित प्रयासों की सराहना की है लंबे समय से पानी की किल्लत झेल रहे लोगों को अब नियमित जल आपूर्ति मिलने लगी है जिससे उनकी दैनिक जीवन की परेशानियां काफी हद तक कम हो गई हैं।

ISRO और हरिकोटा जाएंगे सतना के 17 मेधावी छात्र

विज्ञान मंथन यात्रा के लिए व्यंकट-वन स्कूल से चयन, 20 अप्रैल से शुरू होगा टूर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (MP CST) की 'विज्ञान मंथन यात्रा' के तहत सतना के शासकीय एक्सीलेंस स्कूल व्यंकट-वन के 17 मेधावी छात्र-छात्राओं का चयन हुआ है छात्र 20 से 27 अप्रैल तक देश की प्रमुख अंतरिक्ष एजेंसी इसरो के बेंगलुरु (कर्नाटक) मुख्यालय और हरिकोटा (आंध्र प्रदेश) स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (SDSC) की सैर करेंगे। दल के लिए रसायन विज्ञान के शिक्षक डॉ. रामानुज पाठक और भौतिक विज्ञान की शिक्षिका नविता जायसवाल को ग्रुप हेड नियुक्त किया गया है जिनके नेतृत्व में विद्यार्थी प्रयोग अवलोकन और विश्लेषण की वैज्ञानिक पद्धति को प्रत्यक्ष रूप से समझेंगे एमपी सीएसटी की विज्ञान मंथन यात्रा

के लिए प्रदेश के एमपी बोर्ड सीबीएसई और आईसीएसई के विज्ञान संकाय के 10वीं 11वीं और 12वीं के मेधावी छात्र-छात्राओं का चयन होता है। इसमें वे विद्यार्थी पात्र होते हैं जिन्होंने अपनी पिछली कक्षा में 95 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हों विज्ञान मंथन के लिए चयनित विद्यार्थियों के लिए बाद में एक परीक्षा भी आयोजित की जाती है इस परीक्षा में सफल होने वाले प्रतिभागियों को 5 साल तक प्रतिमाह 1200 से 1500 रुपए की छात्रवृत्ति भी प्रदान की जाती है व्यंकट-वन स्कूल के इन विद्यार्थियों को मिला अवसर एक्सीलेंस स्कूल व्यंकट-1 से चयनित छात्र-छात्राओं में 12वीं कक्षा से तोषी गौतम, पल्लवी राठौड़, ऋषिका त्रिपाठी और रुद्राक्ष त्रिपाठी शामिल हैं 11वीं कक्षा से आदित्य पांडेय, अखंड प्रताप यादव, कंचन चौधरी, रितिक तिवारी और नेहा पटेल का चयन हुआ है वहीं, 10वीं कक्षा से कृष्णा गुप्ता, मोहिना गुप्ता, प्राची कुशवाहा, राधे गुप्ता और अंशराज सिंह तोमर को यह अवसर मिला है।

'नारी शक्ति वंदन' पखवाड़ा का शुभारंभ, महिला सशक्तिकरण का गूंजा संदेश

मीडिया ऑडीटर, मैहर। (निप्र)। जिला प्रशासन एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वाधान में 10 अप्रैल से 25 अप्रैल तक आयोजित 'नारी शक्ति वंदन' पखवाड़े का शुभारंभ आज मां शारदा देवी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना और समाज में महिलाओं के योगदान को सम्मानित करना था कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायी उद्बोधन का लाइव प्रसारण किया गया, जिसने उपस्थित बहनों और नागरिकों में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार किया। प्रधानमंत्री के संदेश ने महिलाओं को अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सजग करने का कार्य किया और उन्होंने महिलाओं के लिए समानता, सम्मान और सुरक्षा के

महत्व पर जोर दिया। मैहर स्थित एकलव्य आवासीय विद्यालय के ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से नारी शक्ति के विविध आयामों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिससे पूरा वातावरण उत्साह और प्रेरणा से भर गया। इन प्रस्तुतियों ने महिलाओं के संघर्ष, उपलब्धियों और समाज में उनके महत्वपूर्ण योगदान को उजागर किया इस कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, कलेक्टर विदिशा मुखर्जी, एसडीएम दिव्या पटेल, कार्यक्रम अधिकारी राजेंद्र बांगरे, सीडीपीओ विद्याचरण तिवारी, विधायक कांत चतुर्वेदी, नगर पालिका अध्यक्ष गीता संतोष सोनी, सांसद प्रतिनिधि संतोष सोनी, नपा उपाध्यक्ष शीतल नितिन ताम्रकार और सीएमओ सुषमा मिश्रा सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मातृशक्ति की सहभागिता ने इसे और भी प्रभावशाली बना दिया। महिलाओं की सक्रिय उपस्थिति ने इस आयोजन को विशेष और प्रेरणादायक बना दिया। इस पखवाड़े के तहत विभिन्न कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और सत्रों का आयोजन किया जाएगा, जो महिलाओं के अधिकारों, उनके सशक्तिकरण और समाज में उनके योगदान को मान्यता देने के उद्देश्य से हैं। 'नारी शक्ति वंदन' पखवाड़ा महिलाओं के सम्मान, सशक्तिकरण और उनके योगदान को नमन करने का एक सशक्त माध्यम है। इस तरह के आयोजन समाज में सकारात्मक बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और महिलाओं के आत्मविश्वास और सशक्तिकरण के लिए प्रेरणा का स्रोत बनते हैं।

डॉ. भीमराव अंबेडकर के जन्मदिवस पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भारतीय संविधान के जनक डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के जन्मदिवस के अवसर पर मानवता की सेवा के उद्देश्य से जायंट्स ग्रुप ऑफ स्मार्ट सिटी और सिन्धु विकास समिति के संयुक्त तत्वाधान में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया इस आयोजन में संस्थाध्यक्ष डॉ. दीपक सोई और रक्त प्रेरक विनोद गेलानी की प्रमुख उपस्थिति रही संस्था की सचिव राखी होतचंदानी ने जानकारी दी कि यह रक्तदान शिविर 14 अप्रैल, मंगलवार को प्रातः 10:00 बजे से सिन्धी कॉलोनी स्थित हंसराज अस्पताल में आयोजित किया गया है। शिविर का उद्देश्य डॉ. अंबेडकर के योगदान को याद करते हुए समाज की सेवा में रक्तदान के माध्यम से मानवता को बढ़ावा देना है इस शिविर में भाग लेने के लिए मनोहर डिगवानी, रविशंकर गौरी, सोहन शर्मा, सतीश सुखेजा, अशोक सुखरामनी, डॉ. दीपक सोई, विनोद गेलानी, बसंत शर्मा, राखी होतचंदानी, घनश्याम मंघरानी, मोना चोपड़ा, डॉ. मनीषा सोई, सिमरन होतचंदानी, रंजीत सेनानी, राजेश खूबचंदानी, नीलांबर झा, बबीता गंगवानी, अजय सुखरामनी, दिलीप जिंदवानी, दिलीप सोनी, संजय वाधवानी, महेश कोटवानी, मोनिका कत्याल, राजू परवाद, बाबू पुरस्वानी, सरिता सिंह, डाली भांबरी, श्याम लाल गुप्ता, सुनीता सचदेव और वसुंधरा सिंह जैसे प्रमुख लोग शामिल रहे इन सभी ने रक्तदान करने के लिए लोगों से अपील की और बताया कि रक्तदान से न केवल जीवन बचता है, बल्कि यह समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी को भी प्रदर्शित करता है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।